दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, गुरूवार 05 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 140 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



केरल के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।

सुविचार

सच्ची सफलता तभी मिलती है जब आप अपने सपनों को जीने का साहस रखते हैं।

अग्निवीरों को मिला दो साल का सेवा विस्तार,रेगुलर सैनिक बनने का मिलेगा मौका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया निर्णय

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अग्निपथ योजना के अंतर्गत चार साल बाद सेवानिवृत्त होने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल के सेवा विस्तार को मंजूरी दी है। इसके बाद इन्हें नियमित सैन्य सेवा में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज रक्षा मंत्रालय के इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि सरकार ने अग्निवीरों को भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल करने के रास्ते को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत वर्तमान में 25 प्रतिशत अग्निवीरों को योग्यता के आधार पर नियमित बलों में भर्ती किया जाता है और शेष 75



प्रतिशत को सेना छोड़नी पड़ती थी। अब कैबिनेट ने शेष 75 प्रतिशत को दो साल का सेवा विस्तार दिए जाने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि इस अतिरिक्त दो साल की अवधि पूरा होने पर सेना में शामिल होने के इच्छुक अग्निवीरों को वस्तुनिष्ठ चयन मानदंडों के अधीन सशस्त्र बलों में भर्ती किया जाएगा। सीडीएस जनरल सुब्रमणि ने कहा कि आज भारतीय सशस्त्र बलों और अग्निवीरों के लिए बहुत अहम दिन है, क्योंकि कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने का रास्ता बनाया है। अग्निपथ स्कीम 14 जून, 2022 को शुरू की गई थी। उस समय यह कहा गया था कि अग्निवीरों का लगातार प्रदर्शन मूल्यांकन होगा और समय-समय पर स्कीम की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि अग्निवीरों का पहला बैच अब चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाला है। इन चार सालों में उनके कार्यों का मूल्यांकन करने पर हमें उनके बारे में बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। इसी आधार पर चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार दिया गया है। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश की बिजली ग्रिड को मजबूत करने और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने को लेकर चालू वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के लिए ग्रिड-स्तरीय ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए 14,500 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर निधि योजना को अपनी मंजूरी दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने यहां पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज चालू वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 के बीच 92 गीगावॉट घंटे के ग्रिड-स्केल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ऊर्जा भंडारण प्रणालियों) के लिए 14,500 करोड़ रुपये की वायबिलिटी गैप फंडिंग को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य देशभर में 92 गीगावॉट घंटे की नई ऊर्जा भंडारण क्षमता के विकास में सहयोग करना है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य तीन तरह की तकनीकों के जरिए 92 गीगावॉट प्रति घंटे की स्टोरेज क्षमता विकसित करने में मदद करना है। इनमें बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम को (30 गीगावाट घंटे), पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (60 गीगावाट घंटे) और उभरती हुई स्टोरेज तकनीकें (2 गीगावाट घंटे) शामिल हैं।

शरद पवार को अस्पताल से मिली छुट्टी, डॉक्टरों ने दी आराम की सलाह

मुंबई। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से दो दिन बाद छुट्टी मिल गई है। खांसी की शिकायत के बाद भर्ती हुए शरद पवार की हालत अब स्थिर है, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार पवार को सीने में दर्द के कारण दो दिन पूर्व पुणे के एक निजी अस्पताल रूबी क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। उनके स्वास्थ्य की आज सुबह समीक्षा करने के बाद छुट्टी दे दी गई। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें दो दिन आराम करने की सलाह दी है। पवार को घर ले जाने के लिए उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले अस्पताल में मौजूद थी।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन देश में अस्थिरता का माहौल बनाना चाहते है : जेपी नड्डा

राजधानी भोपाल में भाजपा ने निकाली'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा

भोपाल। लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को भोपाल में 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकालकर राजनीतिक जवाबी अभियान तेज किया। अटल पथ पर आयोजित सभा में केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस के लोकतांत्रिक इतिहास पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस पार्टी ने अपने शासनकाल में 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया,वह आज किस मुंह से लोकतंत्र की रक्षा की बात कर रही है? उन्होंने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वे स्वयं उसके भुक्तभोगी रहे हैं। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन देश में अस्थिरता का माहौल बनाना चाहते हैं और चुनावी पराजय के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रहे हैं। पदयात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल,



पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा में जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस समझ चुकी है कि आने वाले 20-30 वर्षों तक जनता उसे सत्ता में आने का अवसर देने वाली नहीं है। इसी राजनीतिक निराशा में पार्टी चुनावी पराजय का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रही है। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीति को 'हिट एंड रन' बताते हुए कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी के आरोप लगाए गए, मगर जब चुनाव आयोग ने हलफनामे के साथ प्रमाण प्रस्तुत करने को कहा तो कांग्रेस पीछे हट गई। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव हारने और जीतने की प्रक्रिया स्वाभाविक है। राजनीतिक दलों को अपनी हार के कारणों की समीक्षा करनी चाहिए। चुनावी नतीजों पर सवाल उठाने के बजाय अपनी संगठनात्मक कमजोरियों और जनता से जुड़ाव का आकलन करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह चुनावी प्रक्रिया पर संदेह पैदा करके लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास का वातावरण बना रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने ईवीएम हैक करने की चुनौती दी थी, मगर कांग्रेस का कोई नेता इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए सामने नहीं आया। राहुल गांधी को आत्मचिंतन करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि ईवीएम और बैलेट पेपर पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस को अपनी राजनीतिक स्थिति और चुनावी प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए। जेपी नड्डा ने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस का लोकतंत्र संबंधी इतिहास उसके वर्तमान राजनीतिक आरोपों से मेल नहीं खाता। आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए थे। ऐसे इतिहास वाली पार्टी का आज लोकतंत्र की रक्षा का दावा करना अपने आप में विचारणीय है।

पंजाब समेत सात राज्यों में 35 ठिकानों पर ईडी के छापामार कार्रवाई

आम आदमी पार्टी विधायक समेत कई लोग ईडी की जांच के दायरे में

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को चार अलग-अलग मामलों में सात राज्यों के 35 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। ये मामले सरकारी और संस्थागत संपत्तियों के फर्जी अधिग्रहण, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग, निवेश धोखाधड़ी, आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग की समूह-एक मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में अनियमितता और सहकारी समिति के धन के गबन से जुड़े हैं। ईडी के चंडीगढ़, भुवनेश्वर, हैदराबाद और केरल क्षेत्रीय कार्यालयों की ओर से पंजाब, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में यह कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसी के मुताबिक ईडी के चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने पंजाब में सात ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई मोगा जिले में सरकारी और संस्थागत संपत्तियों के फर्जी अधिग्रहण तथा सार्वजनिक धन के दुरुपयोग से जुड़े मामले में की गई। मामला राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 754ए के निर्माण के लिए अधिग्रहित सरकारी जमीन के फर्जी मौत और उसके बदले मुआवजे की गलत तरीके से राशि जारी किए जाने से संबंधित है। पंजाब पुलिस की ओर से 16 जून 2024 को दर्ज प्राथमिकी संख्या 101 के आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी। तलाशी अभियान आम आदमी पार्टी की पंजाब महिला विंग की अध्यक्ष और मोगा से विधायक अमनदीप कौर अरोड़ा, उनके पति डॉ. राकेश अरोड़ा, परिवार के सदस्यों और सहयोगियों से जुड़े परिसरों पर चलाया गया। डॉ. राकेश अरोड़ा से जुड़े नशामुक्ति अस्पताल को भी तलाशी के दायरे में शामिल किया गया है। ईडी की कार्रवाई सरकारी जमीन के अधिग्रहण और मुआवजे के भुगतान में कथित अनियमितताओं की जांच से जुड़ी है।

श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध विस्फोट, स्लीपरों में आई दरारें

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के रामसिंहपुर में रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध विस्फोट जैसी घटना सामने आने के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी गई है। राहत की बात यह है कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और न ही किसी ट्रेन को नुकसान पहुंचा है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्थान सरकार के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि श्रीगंगानगर जिले के रामसिंहपुर में रेलवे लाइन के पास विस्फोट जैसी घटना की सूचना मिली है। घटना से करीब एक घंटे पहले वहां से एक यात्री ट्रेन गुजरी थी। इसके बाद यह घटना हुई। रेलवे ट्रैक के लोहे वाले हिस्से को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, हालांकि ट्रैक के नीचे लगे स्लीपरों में दरारें आई हैं। मंत्री ने कहा कि पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में घटना के कारणों और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जाएगा। जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि जिसने भी इस तरह की हरकत करने का दुस्साहस किया है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति सामान्य है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है और रेल परिचालन को भी कोई नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है।

नेहरू-गांधी परिवार ने कभी भी देश के संविधान का सम्मान नहीं किया : नवीन



गोरखपुर में पदयात्रा के दौरान भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस-सपा को बताया लोकतंत्र विरोधी

गोरखपुर,(एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में बुधवार को गोरखपुर में भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ- अराजकता हटाओ अभियान के तहत पदयात्रा की। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार करते हुए समूचे विपक्ष को लोकतंत्र का विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव को देश प्रदेश की जनता अच्छी तरह से जान चुकी है। भारतीय जनता पार्टी ने आज ही उत्तर प्रदेश के प्रयागराज व कानपुर में भी पदयात्राएं निकाली। प्रयागराज में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व कानपुर में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पदयात्रा का नेतृत्व किया। भाजपा की यह पदयात्रा गोरखपुर में महाराणा प्रताप इण्टर कालेज से शुरू होकर सरदार पटेल प्रतिमा के समीप स्थित माता काली मंदिर पर पदयात्रा संपन्न हुई। गोरखपुर की पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद,जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी समेत बड़ी संख्या में विधायकों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि तथाकथित युवराजों के कारनामे ऐसे हैं, जो लंबे समय तक उत्तर प्रदेश की जनता को भी याद रहेंगे और देश की जनता को भी याद रहेंगे। नितिन नवीन ने कहा कि नेहरू-गांधी परिवार ने कभी भी देश के संविधान का सम्मान नहीं किया,बल्कि संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया। इसी परिवार ने बाबा साहेब अंबेडकर को चुनाव हराने के लिए पूरी ताकत लगाई और उनको अपमानित करने का काम किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी ये पदयात्रा हो रही है,इसके माध्यम से लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता भी पूरी तरह से सड़कों पर नजर आ रही है। इससे विपक्ष के साथियों के हाथ-पैर फूल रहे हैं। रामलीला मैदान में पूरी ताकत लगाकर जितना कहा था,उसका 10 फीसदी भी लोग नहीं जुटा पाए,जबकि भाजपा अपने एनडीए के सहयोगी दलों के साथ मिलकर हर जिले में,हर कस्बे में उनसे बड़ी यात्रा निकाल रही है। ये है एनडीए की ताकत,ये है जनता का भरोसा और ये है जनता का विश्वास। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी ने इस देश की जनता को भरमाने का बहुत प्रयास किया है।

केदारताल ट्रेक पर रेस्क्यू अभियान में तीन लोगों के शव और बरामद हुए

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में केदारताल ट्रेक पर लापता ट्रेकर्स और उनके सहयोगी कर्मचारियों की तलाश में बुधवार को भी सर्च एवं रेस्क्यू अभियान जारी रहा। अभियान के दौरान तीन और शव बरामद किए गए हैं। इनमें दो पुरुष और एक महिला शामिल हैं। तीनों शवों को हेलीकॉप्टर की मदद से मातली हेलीपैड पहुंचाया गया। वहीं, अभियान के तहत शेष लापता लोगों की तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर को सात ट्रेकर्स और छह सपोर्टिंग स्टाफ समेत कुल 13 सदस्यीय दल गंगोत्री से केदारताल ट्रेक के लिए रवाना हुआ था। दल को निर्धारित समय पर वापस लौटना था, लेकिन क्षेत्र में अचानक मौसम खराब होने, भारी बर्फबारी और ग्लेशियर के कारण ट्रेक मार्ग अवरुद्ध हो गया। इस वजह से दल के सदस्य समय पर वापस नहीं लौट सके। काफी समय तक दल से संपर्क नहीं होने और उसके वापस नहीं पहुंचने पर प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च एवं रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

वंचित वर्ग की उन्नति के लिए आरक्षण महत्वपूर्ण, व्यवस्था बनी रहनी चाहिए : होसबाले



देशभर में 94 हजार से अधिक हिंदू सम्मेलन, युवाओं को नशे से दूर रखने पर जोर

इंदौर,(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आज कहा कि वह आरक्षण की व्यवस्था को वंचित एवं पिछड़े वर्ग की उन्नति और सामाजिक समरसता के लिए महत्वपूर्ण मानता है और यह व्यवस्था बनी रहनी चाहिए। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के डेली कॉलेज में दो नवंबर से चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक बुधवार को संपन्न हुई जिसके बाद संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संघ समाज के सभी वर्गों के विषय में विचार करता है और सामाजिक समरसता के साथ वंचित एवं पिछड़े वर्गों की उन्नति को भी महत्वपूर्ण मानता है। समाज के जो वर्ग पिछड़े हुए हैं, उनके लिए आरक्षण की व्यवस्था बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहाआरक्षण के संबंध में पहले ही हमने कहा है,जिन लोगों के साथ समाज में किसी न किसी कारण से भेदभाव हुआ और वे इस कारण से सामाजिक,शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़ गए हैं,उनके लिए आरक्षण की व्यवस्था है,जब तक उनको नहीं लगता कि उनके बीच समानता नहीं आ गई है, तब तक भारत में आरक्षण की व्यवस्था लागू रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरक्षण का फ़ायदा उन सभी लोगों तक पहुँचना चाहिए जो सच में इसके हक़दार हैं। अगर कुछ खास वर्गों को फ़ायदा मिल रहा है और दूसरे छूट रहे हैं तो ज़रूरी सुधारों पर विचार किया जाना चाहिए। हालाँकि,ऐसे सुधार उन समुदायों और लोगों से सलाह करके किए जाने चाहिए जिन्हें आरक्षण का फ़ायदा मिल रहा है। सरकार्यवाह ने संघ के विस्तार,शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों, सामाजिक समरसता,आपदा राहत और संघ की भावी कार्यदिशा से जुड़े विषयों पर चर्चा और निष्कर्षों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। होसबाले ने बताया कि संघ ने शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर में संगठन विस्तार का अभियान चलाया। इसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में 10,241 नए स्थानों तक संघ की पहुंच बनी। वर्तमान में देश के 63,208 स्थानों पर 99,423 शाखाएं संचालित हो रही हैं। इसके साथ ही 34,982 साप्ताहिक मिलन और 14,096 मासिक मंडलियां भी चल रही हैं। शाखाओं और मिलन की इन गतिविधियों के माध्यम से संघ की पहुंच कुल 1,03,397 स्थानों तक हो गई है।

हाईकोर्ट का आदेश पर दोबारा अपलोड नहीं किया दीया मिर्जा का वीडियो

मुंबई। अभिनेत्री दीया मिर्जा के दिवाली पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाले वीडियो को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अब तक इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया पेज पर दोबारा अपलोड नहीं किया है। अदालत ने पहले हटाए गए वीडियो को बहाल करने का निर्देश दिया था। दरअसल, दीया मिर्जा ने बीएमसी के आग्रह पर एक वीडियो संदेश तैयार किया था। इसमें उन्होंने लोगों से पर्यावरण का ध्यान रखते हुए जिम्मेदारी के साथ दिवाली मनाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे नहीं फोड़ने की अपील की थी। वीडियो का उद्देश्य अदालत के पटाखों को लेकर दिए गए निर्देशों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेताओं ने इस पर आपत्ति जताई। भाजपा विधायक अमित साटम ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि लोगों को दीया मिर्जा से दिवाली मनाने का तरीका सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इसे भारतीय परंपराओं और संस्कृति से जोड़ते हुए सवाल उठाए। इसके बाद बीएमसी ने अपने सोशल मीडिया पेज से वीडियो हटा दिया, जिससे राजनीतिक विवाद शुरू हो गया।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में भीषण आग में जलकर दो लोगों की मौत

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बेमिना इलाके में आधी रात के वक्त भीषण आग लगने से भारी तबाही मच गई। बेमिना स्थित दुर्बल क्षेत्र में बनी झुग्गी बस्ती में 3 और 4 नवंबर की दरमियानी रात भड़की इस भयानक आग में कबाड़ बीनने का काम करने वाले दो लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि लकड़ी और तिरपाल से बनी लगभग 80 अस्थायी झुग्गियां पूरी तरह जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गईं। आग इतनी प्रचंड थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी बस्ती में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, दुर्बल की घनी झुग्गी बस्ती में आग लगने की घटना रात करीब 12.23 बजे पेश आई। बस्ती में एकत्र किए गए प्लास्टिक, कबाड़ और अन्य अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के साथ-साथ लकड़ी व तिरपाल से बनी झोपड़ियों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते और आपातकालीन सेवाओं को सूचित किया जाता, तब तक लपटों ने पूरी बस्ती को अपने आगोश में ले लिया था। आग के प्रचंड ताप और लपटों की जद में आने से पास ही स्थित एक खाली पोल्ट्री फार्म और वहां खड़ा एक टिपर वाहन भी बुरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

जिले में खाद-उर्वरक की किल्लत हुई, तो कलेक्टर्स माने जाएंगे जिम्मेदार : मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी लोग दीपावली हर्ष और आनंद से मनायें, परंतु कहीं भी किसी भी प्रकार का असामाजिक काम न हों। इसके लिए पुलिस और प्रशासन कानून व्यवस्था की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीपावली और किसानों के लिए महत्वपूर्ण समय है। दीपावली पर्व और किसानों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्रदेश का पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर रहे। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद-उर्वरक या अन्य किसी प्रकार की कठिनाई आई तो इसके लिए कलेक्टर्स जिम्मेदार माने जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास के



समत्व भवन से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं एसपी से कहा कि दीपावली के दौरान अवैध एवं प्रतिबंधित पटाखों का उपयोग न होने पाए। मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप के उपयोग पर भी अंकुश लगाया जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान बड़े बाजारों में फल, फूल, दिया-बाती, झालर जैसी दुकानें लगाने वाले छोटे दुकानदारों को तहबाजारी से छूट दी जाएं। उन्हें अनावश्यक परेशान न किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के अधिकारी दीपावली के दिन छोटे-छोटे बच्चों, गरीब बस्तियों, अनाथालय और वृद्धाश्रम में जाकर उनके साथ दीपावली मनायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के अधिकारियों से कहा कि वे अपने जिले में अवैध शराब के उपयोग, निर्माण और परिवहन पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जहरीली और नकली शराब बनाने वाले स्थानों को चिन्हित करें और ऐसे लोगों पर कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब विक्रय में एजेन्टी, पैकारी और डायरी व्यवस्था जैसे असामाजिक कार्यों को सख्ती से रोका जाएं। शराब का परिवहन करने वाले वाहनों का फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाए। वैध लायसेंसी शराब की तय कीमत से अधिक कीमत न लें, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारी समय-समय पर मदिरा के नमूने भी लें और यदि उस मदिरा में मानव उपयोग के लिए हानिकारक तत्व पाए जाते हैं तो ऐसे लायसेंसी पर कठोर कार्रवाई की जाए।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 05 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

उज्जैन केहोटल श्री गंगा बेस्ट टैंक में गिरने से चार युवकों की मौत के मामले में प्रशासन मौन क्यों- क्या चलेगा बुलडोजर



राष्ट्रीय गरिमा उज्जैन जिला ब्यूरो उज्जैन। होटल श्रीगंगा के बेस्ट टैंक में शनिवार की रात चार लोगों की मौत की घटना कोई मामूली घटना नहीं है चार लोगों की मौत होना एक राष्ट्रीय खबर है। और इस घटना में जिस तरह से होटल संचालक पर प्रकरण दर्ज होना चाहिए लेकिन बी एन एस की धारा 106 (1) के तहत होटल प्रबंधन पर मामला दर्ज कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक एक व्यक्ति को बचाने के लिए कई लोग चेंबर में उतरे और उनमें से चार लोगों की मौत हो गई और दो व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में एडमिट करना पड़ा। देश के किसी भी हिस्से पर जहां लोग इकट्ठे होते हैं जैसे होटल, रेस्टोरेंट ,कोचिंग ,सिनेमा आदि अगर इस जगह कोई घटना होती है या किसी की जान जाती है तो उसे भवन और होटल की निर्माण की अनुमति और अवैध हिस्से के बारे में जानकारी निकाली जाती है एवं अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया जाता है जिला कलेक्टर के आदेश अनुसार निगम अधिकारी उसके भवन की जांच करते हैं लेकिन श्रीगंगा होटल के मामले में ऐसा प्रशासन की तरफ से कुछ भी अभी स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहा है जिससे यहां प्रतीत होता है कि प्रशासन मौन है । और सीधे-सीधे श्री गंगा होटल के संचालक के ख़िलाफ़ नामजद मामला दर्ज होना चाहिए था। लेकिन होटल प्रबंधन पर मामला दर्ज कर लिया। वही होटल संचालक द्वारा मानवता के आधार पर चारों युवकों के परिजनों को 30-30 लाख रुपए देने की घोषणा की है इसकी जानकारी उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया द्वारा प्रदान की गई थी लेकिन क्या लापरवाही से मौत होने पर एक व्यक्ति की कीमत सिर्फ 30 लाख होती है क्या? होटल संचालक को पता था कि टैंक में जहरीली गैस बनती है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार होटल के निर्माण के समय वह बेस्ट टैंक बनाया गया था। टैंक को साफ करते समय क्या सावधानी बरतनी चाहिए टैंक में उतरते समय ऑक्सीजन की कमी या जहरीली गैस होने पर टैंक को कैसे साफ करना है यहां जानकारी होटल संचालक को पहले से पता थी लेकिन फिर भी होटल संचालक द्वारा अनुभवहीन आउटसोर्स कर्मचारी से बिना उपकरण के टैंक साफ करवाया गया ओर लापरवाही से चार युवकों की मौत हो गई। वही उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा का कहना है कि चार युवकों की मौत के मामले में किसी भी व्यक्ति को बचाया नहीं गया है होटल प्रबंधन पर मामला दर्ज करने का मतलब है कि होटल के संचालक और होटल के एक-एक व्यक्ति पर मामला दर्ज हुआ है। वहीं नियमानुसार कार्यवाही कर मामला दर्ज किया गया है । जांच होने पर आगे भी नाम जुड़े सकते हैं और गंभीर कार्यवाही हो सकती है। साथी स्थानीय प्रशासन यह भी बताएं और संबंधित जिम्मेदारी हमें बताएं की कितनी बार उनके किचन में उनके होटल में जाकर स्वास्थ्य विभाग ने जांच की यह खाद्य सामग्री के सैंपल लिए और यदि वह गैस सिलेंडर वहां पर रहा है तो कौन से उपयोग मै ले रहा है घरेलू या व्यवसायिक फ्रीगंज स्थित इसकी श्री मिष्ठान भंडार के पास में एक गली है जिस पर इन्होंने दरवाजा लगा रखा है यानी कि उसे गाली को पूर्ण रूप से बंद कर रखा है पूछने पर यह कहते हैं हमने ताला नहीं लगाया यह हमने गली में दरवाजा नहीं लगाया आसपास के लोगों से जांच करने पर रहते हमें नहीं मालूम कौन लगा कर गया क्या इस श्री मिष्ठान वाले का इतना दबदबा है कि यह आमजन के उपयोग में आने वाली गली पर कब्जा कर रहा है।

राजस्थान सीमा से पकड़ा गया 3 हजार का इनामी मादक पदार्थ तस्कर



एमडीएमए और डोडाचूरा तस्करी के मामले में जुलाई से चल रहा था फरार

मंदसौर। एंटी नारकोटिक्स विशेष अभियान के तहत जिले के भानपुरा थाना क्षेत्र की भैसोदामंडी पुलिस चौकी ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में फरार चल रहे 3 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शाहजमान खान उर्फ जमान (28) निवासी गरीब नवाज कॉलोनी, भवानीमंडी जिला झालावाड़ (राजस्थान) को राजस्थान सीमा के टगर चौराहे से दबिश देकर पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को भैसोदामंडी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धर्मेश यादव की टीम ने स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक स्क्क09 छ्रु 8832 को रोककर उसमें सवार इंदौर निवासी आयमान और साबान खान को गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 170 ग्राम एमडीएमए और 4.5 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया गया था। पूछताछ में आरोपियों ने उक्त मादक पदार्थ भवानीमंडी निवासी शाहजमान खान से प्राप्त करना बताया था। इसके बाद से ही शाहजमान फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने 3 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस टीम ने तलाश के बाद राजस्थान सीमा पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी से मादक पदार्थों के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ की जा रही है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामसनेही मिश्रा एवं एसडीओपी विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भानपुरा उप निरीक्षक विनय बुंदेला और चौकी प्रभारी धर्मेश यादव की टीम ने की। कार्रवाई में आरक्षक जितेंद्र कोठे और बहादुर भुरिया का भी विशेष योगदान रहा।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा महंगाई भत्ते के आदेश जारी

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ/4/0009/2025/ नियम / चार(एफ) दिनांक 30 अक्टूबर, 2026 के अनुरूप मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्मिकों को दिनांक 1 जनवरी 2026 से सातवें वेतनमान के अंतर्गत 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता स्वीकृत किया है। उल्लेखनीय है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्मिकों को 1 जुलाई 2025 से सातवें वेतनमान में 58 प्रतिशत की दर महंगाई भत्ता दिया जा रहा था। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्मिकों को उपर्युक्तानुसार मंहगाई भत्ते में हुई वृद्धि का लाभ अक्टूबर 2026 के वेतन के साथ दिया जाएगा। 1 जनवरी 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक की एरियर राशि का भुगतान तीन समान किश्तों में क्रमश: माह नवम्बर 2026, दिसम्बर 2026 एवं जनवरी 2027 के वेतन के साथ किया जाएगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जो कार्मिक दिनांक 01 जनवरी, 2026 से 30 सितम्बर 2026 की अवधि में सेवानिवृत या मृत हो गए हैं, उन्हें या नामांकित सदस्य को एरियर की राशि का भुगतान एकमुश्त किया जाएगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 01 जून 2005 के पश्चात् सेवानिवृत्त सभी पेंशनरों/परिवार पेंशनरों एवं 80 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के पेंशनरों को मध्यप्रदेश शासन के परिपत्र क्रमांक एफ/4/0009/2025/ नियम / चार(एफ) दिनांक 30 अक्टूबर, 2026 एवं एम.पी.पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के परिपत्र क्र. अस/एमपीपीटीसीएल/पांच/3629 दिनांक 31 अक्टूबर, 2026 के अनुरूप दिनांक 01 जुलाई 2026 से छठवें वेतनमान अंतर्गत 262 प्रतिशत एवं सातवें वेतनमान अंतर्गत 60 प्रतिशत मंहगाई राहत देने के आदेश जारी कर दिये हैं। सेवानिवृत्त पेंशनर और परिवार पेंशनर को छटवें वेतनमान अंतर्गत 01 जुलाई 2026 से 05 प्रतिशत की वृद्धि एवं सातवें वेतनमान अंतर्गत 02 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इस आदेश के अनुसार माह जुलाई 2026 से बी हुई मंहगाई राहत राशि (भुगतान माह अगस्त 2026) से बढ़ी हुई पेंशन/परिवार पेंशन प्रदान की जाएगी।

कन्या छात्रावास में शुरू होगी 'नेकी का आश्रय' पहल

बैतूल। समाज में जरूरतमंदों की सहायता और वस्तुओं के सदुपयोग की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैतूल के कन्या छात्रावास नवीन में 'नेकी का आश्रय' नाम से एक अनूठी सामाजिक पहल प्रारंभ की जा रही है। प्राचार्य डॉ मीनाक्षी चौबे के मार्गदर्शन में इस पहल का मुख्य उद्देश्य लोगों के घरों में रखी ऐसी उपयोगी वस्तुओं को एकत्रित करना है, जिनकी अब उन्हें आवश्यकता नहीं है, लेकिन वे किसी अन्य जरूरतमंद व्यक्ति के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं। कन्या छात्रावास अधीक्षिका डॉ निहारिका भावसार ने बताया कि अक्सर लोग घरों में कपड़े, जूते-चप्पल, बैग, रसोई का सामान, होम डेकोर, घरेलू उपयोग की वस्तुएँ, किताबें एवं स्टेशनरी जैसी अनेक चीजें खरीदते हैं, जिनका उपयोग कुछ समय बाद बंद हो जाता है। ये वस्तुएँ घरों में अनुपयोगी पड़ी रहती हैं, जबकि किसी जरूरतमंद के लिए वही वस्तुएं उसकी आवश्यकता पूरी करने का माध्यम बन सकती हैं। 'नेकी का आश्रय' इसी सोच को साकार करने का एक प्रयास है, जहां लोग अपनी अनुपयोगी लेकिन अच्छी स्थिति में मौजूद वस्तुएँ दान कर सकेंगे। विशेष रूप से दीपावली के अवसर पर घरों की साफ-सफाई के दौरान निकलने वाली उपयोगी वस्तुओं को फेंकने के बजाय इस आश्रय तक पहुँचाने की अपील की गई है।इस पहल की विशेषता यह है कि इसमें दान के लिए किसी विशेष दिन या समय की बाध्यता नहीं होगी। इच्छुक व्यक्ति वर्ष के सभी 12 महीने अपनी सुविधानुसार कन्या छात्रावास (नवीन) में वस्तुएं जमा कर सकते हैं। हालांकि, फटे, खराब एवं अनुपयोगी सामान स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नागरिकों के सुझावों से बनेगी मंदसौर के विकास की नई रूपरेखा

कलेक्टर दिव्यांक सिंह की पहल पर नगर पालिका में हुआ जनसंवाद



मंदसौर। शहर के विकास की योजनाओं को नागरिकों की जरूरतों और सुझावों के अनुरूप आकार देने के उद्देश्य से कलेक्टर दिव्यांक सिंह की पहल पर बुधवार को नगर पालिका परिषद में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और नागरिकों ने शहर की समस्याओं, विकास की संभावनाओं और आवश्यक सुविधाओं को लेकर सुझाव दिए। कलेक्टर ने प्राप्त सुझावों के आधार पर कार्ययोजना तैयार कर शहर के विकास को गति देने की बात कही। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ रोहित राणावत, डिप्टी कलेक्टर शुभम गुर्जर सहित पार्षद और शहर के नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान शासन की योजनाओं का लाभ लेकर उद्यम स्थापित करने वाले युवाओं ने अपनी सफलता की कहानियां भी साझा कीं। नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि जनसंवाद का उद्देश्य शहर की विकास संबंधी आवश्यकताओं को समझना और समस्याओं का समाधान करना है। नागरिकों से उपयोगी सुझाव मिले हैं। शहर के विकास में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की समान भागीदारी जरूरी है। प्राप्त सुझावों के आधार पर मंदसौर को निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने बताया कि उज्जैन सिंहस्थ के लिए आईआईटी इंदौर और नागपुर के विद्यार्थियों की टीम ट्रैफिक प्लान तैयार कर रही है। इस टीम से मंदसौर के लिए भी व्यवस्थित यातायात योजना बनाने का आग्रह किया गया है। आने वाले दिनों में टीम मंदसौर आएगी और शहर की जरूरतों के अनुरूप ट्रैफिक प्लान तैयार करेगी। नगर पालिका के करों की वसूली के संबंध में कलेक्टर ने नागरिकों से अधिकाधिक ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की। उन्होंने बताया कि नगर पालिका के पास वर्तमान में 20 पीओएस मशीनें हैं, जिनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। जल संरक्षण के लिए घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि अमृत 2.0 मिशन के तहत शहर में क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदली जा रही हैं। कार्यक्रम में शर्मा स्टील के अभिषेक शर्मा ने बताया कि शासन की योजना से मिले अनुदान की मदद से उन्होंने अपनी मशीनरी का विस्तार किया, जिससे कारोबार में तेजी आई। बालाजी इंटरप्राइजेज की दिव्या गोस्वामी ने बताया कि उन्होंने योजना के माध्यम से डिस्पोजेबल निर्माण इकाई स्थापित की है। शासन ने उन्हें औद्योगिक क्षेत्र में भूखंड भी आवंटित किया है।

खातेगांव T। हत्याकांड पर कांग्रेस पर गरजे पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल

बोले-कांग्रेस नेता राहुल जायसवाल की संपत्ति राजसात कर पीड़ित परिवार को मिले

हरदा। पड़ोसी जिले हरदा के खातेगांव थाना प्रभारी झड्डू दिलीप पुरी की टिमरनी से गुजरात भेजी जा रही अवैध शराब के ट्रक से कुचलकर की गई हत्या के मामले में पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए शहीद दिलीप पुरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री श्री पटेल ने कहा कि देवास जिले में हंडिया होते हुए खातेगांव की ओर जा रहे अवैध शराब के ट्रक की सूचना देवास स्क्क और एडिशनल स्क्क को मिली थी। अफसरों ने टीम बनाकर उसे पकड़ने का प्रयास किया गया। खातेगांव के झड्डू दिलीप पुरी, जो एक युवा और दमदार अधिकारी थे, उन्होंने ट्रक का पीछा किया लेकिन ड्राइवर ने उनके ऊपर ट्रक चढ़ा दिया और उनकी हत्या कर ट्रक लेकर भाग गया। उन्होंने कहा कि ट्रक में भरी शराब कांग्रेस के नेता कमलनाथ के खासमखास जायसवाल परिवार की थी। मामले में टिमरनी निवासी आरोपी राहुल जायसवाल



कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का भी खास हैं। इस पूरे घटनाक्रम में पूरी कांग्रेस मिली हुई है। हमेशा भ्रष्टाचार और अवैध काम करने वाली कांग्रेस को झड्डू के परिवार से जाकर माफी मांगनी चाहिए और आरोपी की संपत्ति राजसात करके शहीद के परिवार को आर्थिक सहायता देना चाहिए। श्री पटेल ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने त्वरित कार्रवाई करवाई, दोषियों को गिरफ्तार करवाया। हम दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाकर फांसी तक पहुँचाएंगे। श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने तत्काल एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और शहीद दिलीप पुरी जी की पत्नी को सब इंस्पेक्टर बनाने की घोषणा की है, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ। पूर्व मंत्री श्री पटेल ने मांग की कि जिस प्रकार हरदा पटाखा फैक्ट्री हादसे में सरकार ने सहायता दी और हमने मांग की थी कि दोषी की संपत्ति राजसात कर नीलाम कर पैसा पीड़ितों को दिया जाए और देश में पहली बार हरदा में इसकी शुरुआत हुई, उसी तरह मैं मुख्यमंत्री जी से मांग कर रहा हूँ कि तत्काल राहुल जायसवाल और उसके भाई मनीष जायसवाल की पूरी संपत्ति राजसात की जाए। इनके अवैध कामों की पूरी जांच कर संपत्ति नीलाम की जाए और वह राशि शहीद की पत्नी और बच्चों को दी जाए ताकि वह अपने पैरों पर खड़े हो सकें। उन्होंने हरदा के कांग्रेस विधायक आरके दोगने पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का पूरा खर्च इसी अवैध काम से चलता है और वह सरकार से एक करोड़ की जगह दो करोड़ की मांग कर रहे हैं।

बानापुरा में शीघ्र होगा रेल ठहराव, सांसद के साथ रेल मंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

सिवनी मालवा। पत्रकार संघ सिवनी मालवा के प्रतिनिधि मंडल ने क्षेत्रीय सांसद के साथ रेल मंत्री से दिल्ली में मुलाकात कर सिवनी मालवा के बानापुरा रेलवे स्टेशन पर नागपुर-भुसावल इंटरसिटी सहित अन्य रेल के शीघ्र ठहराव पर चर्चा की। जिसमें रेल मंत्री ने शीघ्र ही बानापुरा में नई रेल गाड़ियों के ठहराव की बात कही। सिवनी मालवा के बानापुरा रेलवे स्टेशन पर रेलों के ठहराव को लेकर विगत माह से पत्रकार संघ सिवनी मालवा के बैनरतले, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और अन्य राजनीतिक दलों के लोग साथ मिलकर आवेदन, निवेदन, ज्ञापन, धरना आंदोलन के साथ ही, सांसद, महाप्रबंधक, डीआएम से मुलाकात कर रेलों के ठहराव की उचित मांग करते आ रहें हैं। जो क्षेत्र की महती आवश्यकता और जन जन की मांग हैं।

ग्रामीण बच्चों को बताया सुरक्षा का अधिकार, अनुचित स्पर्श पर चुप न रहने की दी सीख

मंदसौर। सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर बच्चों को उनके अधिकारों और शारीरिक सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में 4 नवंबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धुंधड़का में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर की थीम 'बोलो, बताओ, बचाओ' रखी गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अनीष कुमार मिश्रा के निर्देशन में आयोजित शिविर में बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श (गुड टच एवं बैड टच), किसी अप्रिय घटना की जानकारी साझा करने, शिकायत एवं रिपोर्टिंग की प्रक्रिया और सुरक्षित वयस्क की पहचान के बारे में सरल भाषा में समझाया गया। बच्चों को बताया गया कि अपने शरीर की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना उनका अधिकार है। किसी भी तरह के अनुचित स्पर्श, व्यवहार या असहज स्थिति का सामना करने पर चुप नहीं रहना चाहिए। बिना डर और संकोच के अपनी बात किसी विश्वसनीय वयस्क को बताएं तथा जरूरत पड़ने पर संबंधित अधिकारियों से सहायता लें। शिविर में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिद्धार्थ तिवारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी अपर्णा लोधी, महिला थाना प्रभारी रानी बेग, विद्यालय के प्राचार्य गोविंद सहवाग, तहसीलदार, ग्राम प्रतिनिधि, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पीएम केयर के बच्चों को कलेक्टर ने दिया अपनत्व का भरोसा, दीपावली पर बांटी खुशियां

मंदसौर। दीपावली के पर्व पर पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के हितग्राही बच्चों के बीच कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने खुशियां बांटीं। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों को दीपावली की मिठाई और उपहार वितरित किए। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानी। कलेक्टर सिंह ने बच्चों को भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या या परेशानी होने पर वे कभी भी उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन केवल शासकीय व्यवस्था नहीं, बल्कि बच्चों का परिवार भी है। बच्चों को किसी भी परिस्थिति में अकेला महसूस करने की जरूरत नहीं है। उनकी समस्याओं के समाधान और सहायता के लिए जिला प्रशासन सदैव तत्पर है। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी अंकिता पंड्या भी उपस्थित रहीं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद चरगाँव, जिला-चरगाँव म0प्र0

विधि सूचना क्रमांक / 141 / MCKJ / 16290 / ई-टेंडर / 2026 चरगाँव, दिनांक :- 02-11-26

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म्स से निम्नांकित कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। उललिखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

अ.क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित एवं लागत	बिबिय प्राप्त का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_547254_1 Date- 03/11/2026	विरदान रोड के मुख्य मार्ग पर थर्मोप्लास्टिार चेंड मार्किंग कार्य।	01 माह लागत- 422767 /-	2000/- 4227/-	17/11/2026
2	2026_UAD_547255_1 Date- 03/11/2026	खण्डवा रोड के मुख्य मार्ग पर थर्मोप्लास्टिार चेंड मार्किंग कार्य।	01 माह लागत- 422355 /-	2000/- 4223/-	5.30 PM
3	2026_UAD_547256_1 Date- 03/11/2026	सनावद रोड के मुख्य मार्ग पर थर्मोप्लास्टिार चेंड मार्किंग कार्य।	01 माह लागत- 423388 /-	2000/- 4233/-	

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलशन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पुस्तक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

(छाया जोशी) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद खरगोन | (भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद खरगोन | (धीरेन्द्र सिंह चौहान) सभापति लो.नि.विद्युत एवं यांत्रिकी नगर पालिका परिषद खरगोन | (कमला कोल) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद खरगोन

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, गुरूवार 05 नवम्बर 2026

हजारीबाग में जाली नोट नेटवर्क को लेकर एनआईए की घरों में छापेमारी

हजारीबाग। हजारीबाग में बुधवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की पटना शाखा ने जाली नोटों के नेटवर्क से जुड़े मामले में दो घरों में छापेमारी की। दोनों घर बड़ा बाजार थाना क्षेत्र के हुरहुरू स्थित बाबा पथ के सुभाष बारला मार्ग पर हैं। ये मकान दो भाइयों प्रदीप साव और उदय साव के बताए जा रहे हैं। एनआईए की टीम स्थानीय पुलिस के साथ सुबह मौके पर पहुंची और दोनों घरों में एक साथ तलाशी शुरू की।

विलास इन हत्याकांड के आरोपी का पुलिस पर हमला,पुलिस ने मार गिराया

गुवाहाटी। गुवाहाटी के होटल विलास इन में पिछले दिनों पांच लोगों की गोली मारकर हत्या करने के आरोपित घनकांत गोगोई को आज तड़के करीब 3:10 बजे पुलिस ने पिस्तौल छीनकर हिरासत से भागने की कोशिश करने पर मार गिराया। सात दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद पुलिस ने मंगलवार को घनकांत को कामरूप महानगर जिला के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया।

दिवाली पर बाजारों में नकली दूध,घी,मावा और पनीर की हो रही बिक्री

शुद्धता का दावा करने वाली कंपनियों के दुग्ध उत्पाद भी मानक पर खरे नहीं



नई दिल्ली। त्योहारों के सीजन, विशेषकर दिवाली पर मिलावटी और नकली दुग्ध उत्पादों (दूध, घी, मावा, पनीर) का बाजार गर्म हो जाता है। सरकारी दावों और ब्रांड्स के भरोसे के बीच नकली सामानों की खुलेआम बिक्री उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है। दिवाली के त्योहारी सीजन के दौरान महाराष्ट्र, दिल्ली,राजस्थान,उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में नकली दूध, घी, मावा और पनीर की बिक्री और मिलावट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभागों द्वारा बड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में अन्न एवं औषधि प्रशासन एफडीए ने सुंदरवाड़ी इलाके में कैम्ब्रिज स्कूल के पास स्थित पतंजलि घी के गोदाम पर छापा मारा है। इस कार्रवाई के दौरान एफडीए की टीम ने मौके से 20 लाख 20 हजार 190 रुपये का घी जब्त किया है, जिसमें 1 लीटर और आधा लीटर के हजारों पैकेट शामिल हैं। इसके बाद देशभर में हडकंप मच गया है और कहा जा रहा है कि सावधान...शुद्धता का दावा करने वाले बाबा रामदेव का घी भी नकली है। बता दें कि एफडीए दीवाली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर नकली खाद्य पदार्थों के खिलाफ मुहिम चला रहा है। दिवाली त्योहारों के शुरू होने के साथ मिठाइयों, नमकीन, पेय पदार्थों, खाद्य तेल तथा दूध और दुग्ध उत्पादों समेत अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। इसे देखते हुए मिलावटी, नकली और असुरक्षित खाद्य उत्पादों, जिनमें दूध एवं दूध से बने उत्पाद,मिठाइयां,स्नैक्स एवं नमकीन,पापड़ एवं फ्रायम्स, खाद्य तेल, पेय पदार्थ और घी शामिल हैं। अक्टूर 2026 में मप्र खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने पतंजलि गाय घी के एक बैच को स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित पाते हुए कार्रवाई की है। प्रयोगशाला की जांच में इस घी के 200 एमएल पैक वाले एफएडब्ल्यूबी-260017 बैच के नमूने में सीसे की मात्रा निर्धारित सीमा से पांच गुना अधिक पाई गई है। सीसे की मात्रा अधिकतम 0.02 मिलीग्राम प्रति किलो होनी चाहिए,लेकिन नमूने में 0.10 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम पाई गई। जांच के लिए नमूना गत 10 अगस्त को छिंदवाड़ा जिले के तामिया (देलाखारी) स्थित अनिल किराना से लिया गया था। नौ अक्टूबर को भोपाल स्थित केली प्राइवेट लिमिटेड प्रयोगशाला की रिपोर्ट में इसे असुरक्षित पाया गया। इसके साथ ही निर्माता पतंजलि फूड लिमिटेड को देश भर के बाजार, डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलरों से इस बैच का पूरा स्टॉक 24 घंटे में वापस (रिकाल) मंगाने का आदेश जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ के कोरबा में त्योहारी सीजन में मिठाइयों की खरीदारी बढ़ने के बीच कोरबा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के मुताबिक, पिछले 10 महीनों में लिए गए 120 खाद्य पदार्थों के सैंपलों में से करीब 20 जांच में फेल पाए गए।

काशी तमिल संगमम में अब तिरुक्कुरल के ज्ञान से पूरा भारत जुड़ेगा

काशी और तमिलनाडु के सांस्कृतिक संबंध राष्ट्रीय एकता का आधार बने



चेन्नई। काशी तमिल संगमम में अब तिरुक्कुरल के ज्ञान से पूरा भारत जुड़ेगा। काशी और तमिलनाडु का संबंध भूगोल की सीमाओं से कहीं आगे भारत की साझा सभ्यता, संस्कृति,आध्यात्मिक चेतना और ज्ञान परंपरा में रचा-बसा है। गत दिवस काशी तमिल संगमम के 5.0 संस्करण का शंखनाद हुआ। इस बार आयोजन का केंद्रीय विषय 'तिरुक्कुरल पायिलोम' अर्थात 'आइए, तिरुक्कुरल सीखें' रखा गया है। 28 नवंबर से 12 दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस संस्करण में तमिल के महान शास्त्रीय ग्रंथ तिरुक्कुरल के अध्ययन, अनुवाद और प्रसार के माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों तथा युवाओं को भारतीय जीवन दर्शन से जोड़ने का व्यापक प्रयास किया जाएगा। रामेश्वरम से काशी तक प्रवाहित होने वाली आस्था की धारा हो अथवा तमिल साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय जीवन दर्शन, दोनों क्षेत्रों के बीच सदियों से कायम सांस्कृतिक एकात्मता भारत की विविधता में निहित एकता का जीवंत प्रमाण है। इसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को देशव्यापी संवाद का विषय बनाने की दिशा में काशी तमिल संगमम का पांचवां संस्करण एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कर रहे तमिलनाडु के राज्यपाल थिरु राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने काशी और तमिलनाडु के हजारों वर्ष पुराने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों को भारत की राष्ट्रीय एकता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि काशी और तमिलनाडु सांस्कृतिक, पारंपरिक और ऐतिहासिक रूप से सदैव एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। हमारे पूर्वजों की अपने देवी-देवताओं के प्रति गहरी श्रद्धा थी और उन्हें विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का भी ज्ञान था। काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम के बीच का संबंध भारत में हजारों वर्षों से विद्यमान सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय एकरूपता को दर्शाता है। राज्यपाल आर्लेकर ने कहा कि काशी तमिल संगमम बार-बार इस बात का स्मरण कराता है कि भारत सदैव से एक संस्कृति और एक सभ्यतागत चेतना वाला राष्ट्र रहा है। रामेश्वरम में गंगाजल ले जाने से लेकर रामेश्वरम का पवित्र जल गंगा में प्रवाहित करने तक हमारी परंपराएं उस गहरे भावनात्मक और आध्यात्मिक संबंध को अभिव्यक्त करती हैं, जो देश के अलग-अलग क्षेत्रों को एक सूत्र में बांधता है। ऐसे आयोजन भारत की सांस्कृतिक और वैचारिक एकता को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी ने कहा कि इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत की ओर से विश्व को दिए गए सबसे मूल्यवान साहित्यिक और दार्शनिक योगदानों में शामिल थिरुक्कुरल को वैश्विक स्तर पर पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि 'थिरुक्कुरल पायिलोम' की संकल्पना के माध्यम से काशी के विद्यार्थियों और युवाओं को इस महान ग्रंथ का अध्ययन करने तथा शोध पत्रों के माध्यम से इसके विचारों और जीवन मूल्यों का अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

पंजाब में पराली जलाने के दो हजार से अधिक मामले फिर सामने आए

पराली जलाने पर 32 लाख से ज्यादा का लगा जुर्माना,2 जिले सबसे आगे



पटियाला। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार और प्रशासन की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बावजूद खेतों में आग लगाने का सिलसिला जारी है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की 3 नवंबर तक की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अब तक पराली जलाने की कुल 2,196 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं के संबंध में 636 मामलों में पर्यावरणीय जुर्माना लगाया गया है। विभाग की ओर से कुल 32 लाख 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है, जिसमें से 20 लाख 60 हजार रुपए की वसूली हो चुकी है। राज्य में सबसे अधिक पराली जलाने के मामले तरनतारन जिले में सामने आए हैं। यहां 545 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इसके बाद फिरोजपुर में 305,अमृतसर में 198,संगरूर में 154 और बठिंडा में 148 मामले सामने आए हैं। वहीं,फाजिल्का में 52,फरीदकोट में 66 और गुरदासपुर में 108 घटनाएं दर्ज की गई हैं। पटियाला जिले की बात करें तो पीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार अब तक पराली जलाने की 93 घटनाएं दर्ज की गई हैं। विभाग की ओर से 39 खेतों का निरीक्षण किया गया और 10 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई है। जिले में सात मामलों में जुर्माना लगाया गया है। कुल 40 हजार रुपए का जुर्माना निर्धारित किया गया, जिसमें से 20 हजार रुपए की वसूली की जा चुकी है। इसके अलावा,पराली जलाने से संबंधित नौ मामलों में एफआईआर दर्ज की गई हैं और 10 खेतों की राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। वहीं,10 किसानों को चेतावनी नोटिस जारी किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में अब तक 1,487 खेतों का निरीक्षण किया जा चुका है,जबकि 701 स्थानों पर पराली जलाने की पुष्टि हुई है। इसके अलावा 81 ऐसे खेत भी सामने आए हैं,जहां संबंधित अधिकारियों ने पराली जलाने के निशान पाए हैं। राज्य में कुल 494 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई हैं और 527 खेतों के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। वहीं,16 मामलों में अधिकारियों की ओर से अभियोजन कार्रवाई शुरू की गई है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि अब तक किसी भी नोडल या सुपरवाइजरी अधिकारी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने अथवा निलंबन का आदेश जारी नहीं किया गया है।

सेना को मिले 450 स्वदेशी नागास्त्र-1 एंटी-टैंक लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर मचाई थी तबाही



नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसी)। दुश्मन के सबसे मजबूत टैंकों को भी पलभर में नष्ट करने की क्षमता वाले घातक हथियार स्वदेशी नागास्त्र-1 एंटी-टैंक लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम भारतीय सेना को मिल गए हैं। इसे बनाने वाली नागपुर की कंपनी सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने दूसरी खेप में 450 यूनिट सौंपी है। जीपीएस से लैस यह आत्मघाती ड्रोन दुश्मन के इलाके में घुसकर दो मीटर की दूरी पर सटीकता के साथ हमला करके तबाही मचा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए नागास्त्र-1 का इस्तेमाल किया था। भारतीय सेना 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर देकर अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ा रही है। जीपीएस से लैस इन स्वदेशी आत्मघाती ड्रोन में सटीकता के साथ हमले करने की क्षमता,उच्च ऊंचाई पर संचालन और दिन-रात निगरानी की सुविधा है। दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए डिजाइन किया गया यह हथियार देश के सैन्य ढांचे को और मजबूत करेगा। इस सिस्टम का परीक्षण लद्दाख और उत्तर प्रदेश में झांसी के पास बबीना सहित विभिन्न स्थानों पर किया गया है। आने वाले समय में ऐसे और भी अत्याधुनिक स्वदेशी हथियार सेना को मिल सकते हैं। नागपुर की सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित अत्याधुनिक लोइटरिंग म्यूनिशन नागास्त्र-1आर की पहली खेप जून 2024 में भारतीय सेना को सौंपी गई थी। सेना ने पहली खेप में मिले 120 हथियारों का इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए किया था। इस हथियार की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए सेना ने अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ाने,अपनी पैदल सेना को आधुनिक बनाने के लिए आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर दिया था, जिसकी आपूर्ति पिछले माह हुई है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम में 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल हुआ है।



धनतेरस से अन्नपूर्णा दरबार में बरसेगा खजाना, पांच दिन होंगे स्वर्णमयी मां के दर्शन

नवंबर को धनतेरस पर होगा खजाने का वितरण,सुबह 05 बजे खुलेंगे मंदिर के कपाट



वाराणसी। धर्मनगरी काशी में धनतेरस के पावन अवसर पर अन्नपूर्णा मंदिर में भक्तों को स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन के साथ खजाने के रूप में सिक्के प्राप्त करने का सौभाग्य मिलेगा। आगामी 06 नवंबर को धनतेरस पर मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन और खजाना वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है। इस बार लगातार तीसरे वर्ष श्रद्धालु पांच दिनों तक मां के स्वर्णमयी स्वरूप का दर्शन कर सकेंगे। बांसफाटक स्थित काशी अन्नपूर्णा क्षेत्र के सभागार में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में महंत शंकरपुरी ने बताया कि धनतेरस पर इस बार अत्यंत शुभ योग बन रहा है। इससे देश में समृद्धि और खुशहाली आएगी तथा धन-धान्य के भंडार भरे रहेंगे। उन्होंने बताया कि धनतेरस की मंगल बेला में सुबह तीन बजे से मां के विग्रह का विधि-विधान से पूजन शुरू होगा, जो पौने पांच बजे तक चलेगा। इसके बाद आरती और खजाने का पूजन किया जाएगा। आम श्रद्धालुओं के लिए सुबह पांच बजे मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। इस दिन निर्धारित समय से एक घंटे पहले ही दर्शन शुरू करा दिए जाएंगे। महंत ने बताया कि श्रद्धालु पांच दिनों तक स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा,भूमि देवी, लक्ष्मी जी और रजत महादेव के दर्शन कर सकेंगे। 06 नवंबर को धनतेरस के दिन सुबह पांच बजे से पूर्वाह्न 11.30 बजे तक मां के दर्शन और खजाने का वितरण होगा। श्रद्धालु मंदिर बंद होने तक खजाना प्राप्त कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि 07 से 10 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह चार बजे से रात 11.15 बजे तक दर्शन की व्यवस्था रहेगी। 10 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर मां के दरबार में लड्डुओं की भव्य झांकी सजाई जाएगी। इसी दिन रात 11.30 बजे मां की महाआरती होगी। इसके बाद स्वर्णमयी अन्नपूर्णा का कपाट एक वर्ष के लिए बंद कर दिया जाएगा। सुगम दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थामंदिर प्रबंधन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रबंधक काशी मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है। कंट्रोल रूम से पूरे परिसर की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को देखते हुए मेडिकल टीम तैनात रहेगी। जगह-जगह सेवादार भी लगाए जाएंगे, ताकि दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु बांसफाटक से गेट नंबर एक, ढुंढिराज के रास्ते मंदिर पहुंचेंगे।

रेलवे ने अक्टूबर में 145.07 मिलियन टन माल ढुलाई कर बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने अक्टूबर महीने में अब तक की सर्वाधिक 145.07 मिलियन टन माल ढुलाई दर्ज की है। यह अक्टूबर 2025 में दर्ज 133.93 मिलियन टन की तुलना में 8.32 प्रतिशत अधिक है। रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में भी 978.78 मिलियन टन माल की ढुलाई की, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 935.10 मिलियन टन के मुकाबले 4.67 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्रालय के अनुसार इस साल अक्टूबर में कई प्रमुख वस्तुओं की ढुलाई में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान खाद्यान्न की ढुलाई में 26.3 प्रतिशत,घरेलू कोयले में 16 प्रतिशत,अन्य वस्तुओं में 11 प्रतिशत, क्लिंकर में 10.4 प्रतिशत,घरेलू कंटेनर में 6.3 प्रतिशत,लौह अयस्क में पांच प्रतिशत,खनिज तेल में 1.9 प्रतिशत और तैयार इस्पात की ढुलाई में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बिजलीघरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए रेलवे ने घरेलू कोयले की आपूर्ति भी बढ़ाई है। अक्टूबर 2026 में प्रतिदिन औसतन 469.8 रैक कोयले की आपूर्ति की गई,जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 393.2 रैक प्रतिदिन था।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 05 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

सरकार की मंजूरी ही निर्णायक

जजों की नियुक्ति में सरकार की मंजूरी ही निर्णायक रही, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्पण नहीं माना जाएगा? भारतीय संविधान में अपनाए गए शक्तियों के विभाजन के सिद्धांत के तहत न्यायपालिका की स्वायत्त हैसियत है। सर्वोच्च न्यायालय ने व्याख्या की कि ये विभाजन संविधान के मूलभूत ढांचे का हिस्सा है। इसी आधार पर उसने 1993 और 1998 में दिए दो निर्णयों के जरिए उच्चतर न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम सिस्टम कायम किया। इस प्रणाली की अक्सर यह कहकर आलोचना की गई है कि इससे सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति में सरकार और विधायिका की भूमिका खत्म कर दी और उसने खुद को 'स्वायत्त' की जगह 'स्वतंत्र' बना लिया। ऐसा सिस्टम शायद ही किसी और लोकतांत्रिक देश में हो! मगर भारत की विशेष परिस्थितियों में नियुक्ति प्रक्रिया को पूर्णत: न्यायपालिका के दायरे में रखने के चलन को व्यापक जन-समर्थन रहा है। यह इस भरोसे रहा है कि इससे शासन व्यवस्था में अवरोध एवं संतुलन के सिद्धांत को व्यावहारिक बनाए रखने में मदद मिलेगी। अब सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के व्यवहार के बारे में जो कहा है, उसे इसी बड़े संदर्भ में देखना चाहिए। जस्टिस कौल ने कहा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति का प्रस्ताव भेजने के पहले जजों की लिस्ट पर सरकार की मंजूरी लेते थे। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि चंद्रचूड़ सरकार के प्रति 'अत्यधिक सम्मान की भावना' रखते थे। इन टिप्पणियों से सर्व-प्रमुख प्रश्न यही उठता है कि अगर अंतत: सरकार की मंजूरी ही निर्णायक पहलू रहा, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्पण नहीं माना जाएगा? फिलहाल, दावा सिर्फ एक प्रधान न्यायाधीश के व्यवहार के बारे में किया गया है, लेकिन हालिया वर्षों में उच्चतर न्यायपालिका के संबंध में इससे मिले-जुले सवाल अक्सर उठते रहे हैं। ये प्रश्न खुद न्यायपालिका में खास भूमिका रखने वाली शख्सियतों ने उठाए हैं। इन चर्चाओं ने कोर्ट की भूमिका को लेकर परिदृश्य को मटमैला कर दिया है। वर्तमान माननीय न्यायाधीशों को इस पर तुरंत गौर करना चाहिए, क्योंकि न्यायपालिका के साथ-साथ पूरी संवैधानिक व्यवस्था की साख दांव पर है।

वनांचल में जगी शिक्षा की नई अलख

विष्णु प्रसाद वर्मा



इसी प्रशासनिक प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायक उदाहरण हाल ही में धमतरी जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र नगरी में देखने को मिला है। अधोसंरचना और पठन-पाठन का नया विस्तार धमतरी जिले का नगरी अंचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के लिए विख्यात है, लेकिन लंबे समय से यहां शैक्षणिक संसाधनों के विस्तार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। क्षेत्र के प्रमुख उच्च शिक्षा केंद्र, शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय, नगरी में अतिरिक्त अध्ययन कक्षों, आधुनिक प्रयोगशालाओं और बेहतर पठन-पाठन सुविधाओं की कमी थी। वनांचल के प्रतिभावान युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने और उनकी राह को सुगम बनाने के उद्देश्य से, प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने महाविद्यालय परिसर में 50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष भवन का लोकार्पण किया। यह नवनिर्मित भवन केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा मात्र नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के सैकड़ों छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षा की आकांक्षाओं का मजबूत प्रतीक है।

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल और आदिवासी बहुल अंचलों में सेवा आपके द्वार और सेवा का संकल्प अब महज प्रशासनिक नारे या सरकारी घोषणाएं नहीं रह गए हैं। यह धरातल पर एक सशक्त, व्यापक और स्थायी सामाजिक बदलाव का जीवंत माध्यम बन चुके हैं। राज्य सरकार का मूल ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि विकास की रोशनी केवल बड़े महानगरों तक ही सीमित न रहे, बल्कि प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे सुदूर ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के हर नागरिक तक पहुंचे। इसी दूरदर्शी सोच के तहत आदिवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के प्रसार और मजबूत अधोसंरचना के निर्माण के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसी प्रशासनिक प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायक उदाहरण हाल ही में धमतरी जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र नगरी में देखने को मिला है। अधोसंरचना और पठन-पाठन का नया विस्तार धमतरी जिले का नगरी अंचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के लिए विख्यात है, लेकिन लंबे समय से यहां शैक्षणिक संसाधनों के विस्तार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। क्षेत्र के प्रमुख उच्च शिक्षा केंद्र, शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय, नगरी में अतिरिक्त अध्ययन कक्षों, आधुनिक प्रयोगशालाओं और बेहतर पठन-पाठन सुविधाओं की कमी थी। वनांचल के प्रतिभावान युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने और उनकी राह को सुगम बनाने के उद्देश्य से, प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने महाविद्यालय परिसर में 50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष भवन का लोकार्पण किया। यह नवनिर्मित भवन केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा मात्र नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के सैकड़ों छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षा की आकांक्षाओं का मजबूत प्रतीक है। यह आधुनिक भवन विद्यार्थियों को उन्नत अध्ययन, शोध कार्य, अकादमिक सेमिनार, कार्यशालाओं और विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त और शांत शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा। इसके साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने के लिए नगर पंचायत नगरी क्षेत्र में नागरिकों की दैनिक सहूलियत और जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाले कई अन्य बुनियादी विकास कार्यों का भी शिलान्यास किया गया। यह कदम इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार शिक्षा के साथ-साथ सार्वजनिक सुविधाओं के विकास के लिए भी पूरी तरह संकल्पित है। युवाओं के सपनों को मिल रही नई दिशा और मजबूत आधार उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने राज्य सरकार के विजन को रेखांकित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल और संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को विश्वस्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक और मजबूत आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा ही एक स्वर्णिम छत्तीसगढ़ और सशक्त राष्ट्र के निर्माण की वास्तविक नींव हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद निरंतर प्रयास, अटूट लगन और अनुशासन के बल पर ही प्रदेश का उज्ज्वल भविष्य गढ़ा जा सकता है। यह नया ढांचागत विकास वनांचल के विद्यार्थियों में एक नया उत्साह, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की ऊर्जा का संचार करेगा। शहरों से निकलकर वनांचल तक पहुंचा विकास सुदूर वनांचल में बुनियादी ढांचे का यह ऐतिहासिक विकास इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि अब विकास की गति केवल राजधानी या बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। सेवा आपके द्वार की भावना के साथ जब शासन स्वयं नागरिकों के द्वार तक पहुंचता है, तो इसके परिणाम बेहद सुखद और दूरगामी होते हैं। शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय में हुए इस विस्तार से अब आसपास के दर्जनों गांवों के आदिवासी और ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करने की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। अपने ही क्षेत्र में उच्च स्तर की शैक्षणिक सुविधाएं मिलने से विशेष रूप से बालिकाओं और छात्राओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी में तेजी से वृद्धि होगी। शिक्षा के माध्यम से सशक्त हो रहे युवा संसाधनों का यह सुलभ विस्तार वनांचल के युवाओं की सोच और उनके जीवन स्तर में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव ला रहा है। शिक्षा के माध्यम से सशक्त होते ये युवा न केवल अपना और अपने परिवार का भविष्य संवार रहे हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समग्र प्रगति और विकास यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हो रहे हैं। यही वास्तविक और जमीनी बदलाव आज प्रदेश की प्रगति की एक नई और स्वर्णिम कहानी लिख रहा है। लेखक सहायक संचालक, जनसंपर्क हैं

राशिफल



मेष राशि : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है।आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज आपके लिए घर का सदस्य कुछ खरीद सकता है जिसे पाकर आप आनंदित होंगे। आज वर्कस्पेस पर सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। आज आपको जो भी काम दीया जायेगा उसे आप अच्छे से करेंगे। बिजनेस में आपको मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल होंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। लोगों के मन में आपके प्रति सम्मान का भाव रहेगा यह देखकर आपको खुशी होगी। आज आप घर के कामों में अपनी मां की मदद करेंगे और भविष्य को लेकर आप बातचीत भी करेंगे। आज आप अपने कामों में जल्दबाजी दिखाने से बचेंगे तो आप समस्या से बच जायेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप जानते हैं कि आपका काम मुश्किल नहीं है बस आपका हौसला कम हो गया है इसलिए आज किसी की सलाह मिलने से आपका हौसला बढ़ेगा और आप काम को बढ़िया तरीके से करेंगे। करियर में सुधार करने के लिए जिन बातों में बदलाव करना है, वह स्पष्ट रूप से जानने की कोशिश करें।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके परिवार में आपसी प्रेम रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में मामले स्पष्ट रखें। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज सब कुछ ठीक रहेगा। आपकी इनकम अच्छी रहेगी। आपके धन प्राप्ति के मार्ग में यदि कुछ बाधाएं आ रही थी, तो वह आज दूर होगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। दुकानदारों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। दो गुना कमाई होने के योग बन रहे है। संगीत में रुझान वालों को आज इंडस्ट्री से गाने का ऑफर मिल सकता है। जिससे आपके मन को सुकून की प्राप्ति होगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा। प्रेम प्रसंगों में मुलाकात करने के अवसर बनेंगे। कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी स्टूडेंट्स को दौरान कठिन चुनौतियां मिल सकती है, जिसे वह अपनी मेहनत और सूझबूझ से पार करने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपनी योग्यता व प्रतिभा द्वारा किसी विषम परिस्थिति का सामना करने में सक्षम रहेंगे। स्वयं का विकास करने के लिए समय अनुसार अपने स्वभाव में थोड़ा स्वार्थी होना भी जरूरी है। विद्यार्थियों का पठन-पाठन में उचित समय व्यतीत होगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुक्सान से बच जायेंगे। टूर-ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी बिजनेस में नया मोड़ आ सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा साथ ही आज बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में भी व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। आर्थिक मामलों में बजट का खास ध्यान रखें, उधार लेने की स्थिति से बचें। आपको अपने व्यवसाय के कामों में कुछ कठिनाई तो होगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना होगी, साथ ही दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। धार्मिक कार्य में आपकी इच्छा बढ़ेगी, आज आप सत्संग करवा सकते हैं, घर में उत्सव का माहौल होगा।

भारत की कृषि गाथा का नया रूप: परिवर्तन का एक दशक

शिवराज सिंह चौहान



जब माननीय प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में पदभार संभाला, तब कृषि और किसान कल्याण को भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया। वर्ष 2015 से यह प्रतिबद्धता उत्पादन और कृषि आय में सुधार से आगे बढ़कर कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक, सुदृढ़, प्रौद्योगिकी-आधारित और टिकाऊ बनाने के व्यापक परिवर्तन में परिलक्षित हुई है। प्रधानमंत्री ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि विकसित भारत के लिए भारतीय कृषि का भी विकास होना चाहिए। उन्होंने यह भी आह्वान किया है कि भारत केवल अपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरे। लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान, जय किसान और अटल बिहारी वाजपेयी के जय विज्ञान के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने देश को जय अनुसंधान का मंत्र दिया। इस मंत्र के माध्यम से उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को भारत की कृषि के भविष्य के केंद्र में स्थापित किया। ये शब्द केवल नीतिगत दिशा का वक्तव्य नहीं थे, बल्कि एक व्यावहारिक दृष्टि के परिचायक थे, जिसकी दूरदर्शिता और विवेक की पुष्टि एक दशक बाद सामने आए साक्ष्यों से स्पष्ट रूप से हुई। खाद्य सुरक्षा से कृषि के नए प्रतिमान तक यह विजन भारतीय कृषि को देखने के हमारे दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। हरित क्रांति ने भारत को खाद्य सुरक्षा प्रदान की। आज हमारी जिम्मेदारी पोषण सुरक्षा, किसानों की समृद्धि, संसाधन सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की मजबूत नींव तैयार करना है। भारत की कृषि यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरी रही है। कभी खाद्य आयात पर निर्भर रहने वाला भारत कुछ ही दशकों में प्रमुख अनाजों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया। हरित क्रांति को विज्ञान, उन्नत बीजों, सिंचाई, बुनियादी ढांचे, संस्थागत ऋण, कृषि विस्तार सेवाओं और नीतिगत सहायता से गति मिली। इससे यह सिद्ध हुआ कि जब वैज्ञानिक क्षमता और राजनीतिक प्रतिबद्धता किसी राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आती हैं, तो क्या कुछ अर्जित किया जा सकता है। लेकिन कृषि को अतीत की प्राथमिकताओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आकांक्षाएं बदल गई हैं, नागरिकों के उपभोग के तौर-तरीके बदल गए हैं, बाजार बदल गए हैं और जलवायु भी बदल रही है। व्यापक आधार पर कृषि विकास का एक दशक इसलिए वर्ष 2015 से जारी परिवर्तन महत्वपूर्ण है। वर्ष 1995-96 और 2014-15 को संरचनात्मक बदलाव के महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया है, क्योंकि ये भारतीय कृषि के विकास के अलग-अलग चरणों को दर्शाते हैं। पहला चरण आर्थिक उदारीकरण के क्रमिक प्रभाव, बाजारों के साथ बढ़ते एकीकरण, बदलते उपभोग पैटर्न और अनाज उत्पादकता वृद्धि की धीमी गति को दर्शाता है। दूसरा चरण सिंचाई के विस्तार, डिजिटल प्लेटफॉर्म, बाजार सुधारों तथा स्थिरता और जलवायु अनुकूलन पर बढ़ते ध्यान से प्रेरित अधिक विविधीकृत, प्रौद्योगिकी-सक्षम और सुदृढ़ कृषि प्रणाली के उभार का संकेत देता है। कृषि विकास की औसत दर 1967-1995 के दौरान लगभग 2.7 प्रतिशत और 1996-2014 के दौरान लगभग 3.0 प्रतिशत थी। यह 2015-2025 के दौरान बढ़कर लगभग 4.5 प्रतिशत हो गई (खाद्यान्न उत्पादन में 8.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष, फल एवं सब्जियों में 7.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष तथा दूध में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पिछले दो वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रति वर्ष 22.1 मिलियन टन रही और पिछले वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। यह उपलब्धि केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, कार्यक्रमों के प्रभावी संयोजन, जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण, लक्षित निवेश और किसानों को बढ़े हुए समर्थन के संयुक्त प्रभाव को दर्शाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि अब व्यापक आधार पर हो रही है और इसे केवल अनाज ही नहीं, बल्कि बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन तथा अन्य उच्च-मूल्य वाले कार्यकलापों से भी बल मिल रहा है। यही कृषि भारत के विकास के अगले चरण को गति देगी। हमारा उद्देश्य अब केवल अधिक उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें कम संसाधनों—कम पानी, कम भूमि, कम ऊर्जा और अनावश्यक कृषि आदानों के कम उपयोग—के साथ अधिक उत्पादन करना होगा, साथ ही बेहतर गुणवत्ता वाला, सुरक्षित और अधिक पौष्टिक खाद्य तैयार करना होगा। भारत में उपभोग के बदलते स्वरूप से भी इसका स्पष्ट संकेत मिलता है। ग्रामीण भारत में 1972-73 में खाद्य व्यय का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा अनाज पर खर्च होता था; 2022-23 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गया। इसी अवधि में दूध और दुग्ध उत्पादों, फलों, सब्जियों, अंडों, मांस और मछली का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर करीब 48 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में भी उपभोग का रुझान इसी तरह बदला है। हमारी कृषि को इस नए भारत की आवश्यकताओ के अनुरूप ढलना होगा। इसका अर्थ है दलहनों तिलहनों, फलों, सब्जियों, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन और अन्य उच्च-मूल्य वाली कृषि उपज पर अधिक ध्यान देना। इसका अर्थ खाद्य सुरक्षा की सीमित अवधारणा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा की दिशा में बढ़ना भी है। किसानों को उन मूल्य शृंखलाओं से जोड़ना आवश्यक है, जहां वास्तविक आर्थिक अवसर तेजी से ग्रेडिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात में केंद्रित हो रहे हैं। किसान-केंद्रित विकास की व्यवस्था तैयार करना भारत सरकार ने इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जल के कुशल उपयोग को बढ़ावा दे रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पहल ने मिट्टी की जांच और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को कृषि संबंधी निर्णयों के केंद्र में रखा है। पीएम-कुसुम कृषि को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ रही है। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) सामूहिक उपज-संग्रह और सौदेबाजी की क्षमता को सुदृढ़ कर रहे हैं। ई-नाम कृषि बाजारों को डिजिटल रूप से जोड़ रहा है, जबकि कृषि अवसंरचना कोष, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना और पीएमएफएमई फसल कटाई के बाद की अवसंरचना और प्रसंस्करण को मजबूत कर रहे हैं। अब इन पहलों को बीज से मिट्टी तक, खेत से बाजार तक और प्रयोगशाला से आजीविका तक एकीकृत किसान-केंद्रित मूल्य शृंखला में समाहित करना होगा। इस परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका केंद्रीय होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान अब केवल उपज बढ़ाने के पारंपरिक उद्देश्य तक सीमित नहीं है। वर्ष 2014 से 2025 के बीच फसलों की 3,236 किस्में जारी की गईं, जबकि 2003 से 2014 के दौरान यह संख्या 1,540 थी। हाल के वर्षों में जारी की गई किस्मों के बड़े हिस्से को जलवायु के प्रति अधिक सहिष्णु बनाने पर ध्यान दिया गया है और जैव-सुदृढ़ीकरण पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है। इसलिए अगली कृषि क्रांति उत्कृष्टता, लचीलेपन और ज्ञान की क्रांति होनी चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, जीनोमिक्स, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल परामर्श प्रणालियां और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियां किसानों को बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्वों, कीटों, मौसम और बाजारों के बारे में बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती हैं। डिजिटल कृषि पहल, एग्रीस्टैक और एआई-सक्षम परामर्श मंच कृषि सेवाओं को अधिक लक्षित और सुलभ बना सकते हैं। हालांकि, प्रौद्योगिकी तभी परिणाम देगी, जब वह किसान तक सरल, किफायती और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप पहुंचेगी। प्रयोगशाला से अंतिम मील तक अनुसंधान और कृषि विस्तार की भूमिका इसलिए और भी महत्वपूर्ण हो गई है। कृषि अनुसंधान में निवेश किया गया प्रत्येक रुपया पर्याप्त आर्थिक लाभ उत्पन्न करता है, जबकि कृषि विस्तार वैज्ञानिक ज्ञान को खेतों में व्यावहारिक सुधारों में बदलता है। हमें अपनी प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, स्टार्टअप, निजी नवप्रवर्तकों और किसानों के बीच संबंध सुदृढ़ करने होंगे। इसके साथ ही हमें संसाधनों से जुड़ी चुनौती का भी सामना करना होगा। भारत जल, उर्वरक, ऊर्जा और भूमि के उपयोग को लगातार बढ़ाकर कृषि उत्पादन का विस्तार नहीं कर सकता। भूजल का क्षरण, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट, जलवायु में अस्थिरता और चरम मौसमी घटनाएं एक नए उत्पादन प्रतिमान की मांग करती हैं। साक्ष्य दर्शाते हैं कि कृषि विकास के हाल के चरण में अधिक उत्पादकता के साथ अधिक स्थिरता भी आई है। इससे विविधीकरण, संसाधनों के कुशल उपयोग, जोखिम प्रबंधन और जलवायु-सहनशीलता का बढ़ता महत्व स्पष्ट होता है। इसीलिए स्थिरता कोई पर्यावरणीय विलासिता नहीं, बल्कि किसान की आर्थिक आवश्यकता है। हमारी नीतियों को पानी, पोषक तत्वों और ऊर्जा की प्रत्येक इकाई के कुशल उपयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। अनुसंधान में जलवायु-अनुकूल किस्मों, पानी और पोषक तत्वों का कुशल उपयोग करने वाली फसलों, मृदा जीवविज्ञान में सुधार, एकीकृत कीट प्रबंधन, संरक्षण कृषि और सटीक कृषि को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दलहनों और तिलहनों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, क्योंकि उनकी उत्पादकता बढ़ाना भारत की पोषण संबंधी और आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के लिए अनिवार्य है। कुशल बाजार और वैश्विक मूल्य शृंखलाएं कुशलता से उत्पादन करने वाले किसान को अपनी उपज लाभकारी मूल्य पर बेचने का अवसर भी मिलना चाहिए। कृषि उत्पादन के साथ-साथ कृषि बाजारों, भंडारण, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, ग्रेडिंग, प्रसंस्करण और डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी विकास होना चाहिए। कृषि उत्पादन के विस्तार और शीघ्र नष्ट होने वाली उपज के विविधीकरण से कुशल सामूहिक संग्रह और बाजार संपर्क की नई आवश्यकताएं पैदा हुई हैं। किसान समूह, सहकारी संस्थाएं और एफपीओ लेन-देन की लागत घटाकर, सौदेबाजी की क्षमता बढ़ाकर और किसानों को संगठित मूल्य शृंखलाओं से जोड़कर परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकते हैं। भारत को मंडी से आगे बढ़कर विश्व बाजार की ओर देखना होगा। हमारा लक्ष्य भारतीय कृषि उत्पादों को ऐसी गुणवत्ता, अनुरेखणीयता, सुरक्षा और ब्रांड पहचान प्रदान करना होना चाहिए, जिन्हें विश्व स्तर पर मान्यता मिले। अगले चरण में किसानों को केवल घरेलू उपभोक्ताओं से ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मूल्य शृंखलाओं से भी जोड़ना होगा। इससे रोजगार सृजित होंगे, ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा और कृषि से उत्पन्न मूल्य का अधिक हिस्सा ग्रामीण भारत में ही रह सकेगा। हालांकि, यह परिवर्तन केवल केंद्र सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है। कृषि एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। राज्यों, स्थानीय सरकारों, अनुसंधान संस्थानों, एफपीओ, सहकारी संस्थाओं, निजी उद्यमों, वित्तीय संस्थानों और नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 05 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

भारत में HSC (10+2) के छात्रों के बीच कॉमर्स (वाणिज्य) एक लोकप्रिय स्ट्रीम है

- कॉमर्स की पढ़ाई के बाद, आप फाइनेंस, अकाउंटिंग, मार्केटिंग, ह्यूमन रिसोर्सेज, टैक्सेशन, बैंकिंग और अन्य क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।
- कॉमर्स के छात्रों के लिए 3 करियर विकल्प हैं – चार्टर्ड अकाउंटेंट, सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट और इन्वेस्टमेंट बैंकर।

भारत में कॉमर्स एक बहुत ही लोकप्रिय करियर स्ट्रीम है, जिसे हर साल 40.3 लाख से अधिक छात्र चुनते हैं (MHRD डेटा के अनुसार)। इसमें फाइनेंस, मैनेजमेंट, लॉ (कानून) और डिजिटल मार्केटिंग व फिनटेक जैसे नए उभरते क्षेत्रों में कई तरह के अवसर मिलते हैं, लेकिन इतने सारे विकल्पों को देखकर कभी-कभी उलझन भी हो सकती है। असली चुनौती यह पहचानने में है कि कौन सा करियर रास्ता आपकी स्किल्स, रुचियों और लंबे समय के लक्ष्यों के साथ सबसे बेहतर मेल खाता है। उदाहरण के लिए, दिल्ली की एक कॉमर्स छात्रा रितिका शर्मा को लें, जिन्होंने शुरुआत में चार्टर्ड अकाउंटेंसी (CA) करने की योजना बनाई थी। कॉलेज के दिनों में, उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग में भी रुचि ली और आगे चलकर इसी क्षेत्र में %डिजिटल मार्केटिंग एनालिस्ट% के रूप में अपना करियर बनाया। तीन साल के भीतर ही, रितिका के करियर में उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से ग्रोथ हुई। इससे साबित होता है कि अगर आप अपनी व्यक्तिगत खूबियों के हिसाब से सही करियर चुनते हैं, तो आज के समय में कॉमर्स से जुड़े नए करियर भी पारंपरिक करियर जितने ही फायदेमंद हो सकते हैं। इससे पता चलता है कि कॉमर्स में करियर चुनते समय रिसर्च करना, योजना बनाना और समय के साथ खुद को ढालना कितना जरूरी है। चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA), कंपनी सेक्रेटरी (CS) और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग जैसे स्थापित क्षेत्रों की मांग तो हमेशा बनी रहती है, लेकिन आज की अर्थव्यवस्था में डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी (फिनटेक) जैसे नए उभरते करियर भी काफी अच्छे अवसर प्रदान करते हैं। कॉमर्स के क्षेत्र में करियर के कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें B.Com और BBA जैसे प्रोग्राम से लेकर CFA, CPA और डिजिटल मार्केटिंग सर्टिफिकेशन जैसे विशेष कोर्स शामिल हैं। एम्बिशन बॉक्स और ग्लासडोर के सैलरी डेटा के अनुसार, इन्वेस्टमेंट बैंकर (औसतन 16.6 लाख सालाना), चार्टर्ड अकाउंटेंट (औसतन 11.5 लाख सालाना) और डिजिटल मार्केटर (औसतन ?9.2 लाख सालाना) जैसे पदों पर बहुत अच्छे पैकेज मिलते हैं, जिनकी वैश्विक स्तर पर भी काफी अहमियत है। 12वीं कॉमर्स के बाद लोकप्रिय करियर विकल्प नीचे 12वीं कॉमर्स के बाद के सबसे लोकप्रिय कोर्स दिए गए हैं, जो आपको आगे एक बेहतरीन नौकरी पाने में मदद कर सकते हैं-

1. बैचलर ऑफ कॉमर्स बैचलर ऑफ कॉमर्स कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के बीच सबसे पसंदीदा कोर्स में से एक है। यह तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसमें छात्रों को अकाउंटिंग, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, बिजनेस मैनेजमेंट और टैक्सेशन जैसे विषयों की विस्तृत समझ दी जाती है। इसका पाठ्यक्रम आपको व्यावहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान देने के लिए तैयार किया गया है। फाइनेंस, बैंकिंग, अकाउंटिंग या एंटरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता) के क्षेत्र में कॉमर्स से जुड़ी नौकरियों के लिए यह कोर्स बहुत जरूरी है।

केस स्टडी : मुंबई की रहने वाली प्रिया मेहता ने अकाउंटिंग और फाइनेंस में किया और बाद में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनीं। आज वह डेलॉइट में सीनियर फाइनेंशियल एनालिस्ट के तौर पर काम कर रही हैं और सालाना 14 लाख रुपये कमा रही हैं। उनका सफर दिखाता है कि कैसे क्लष्टश्रद्ध पारंपरिक फाइनेंस नौकरियों के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी करियर के कई दरवाजे खोलता है। करियर स्कोप- फाइनेंस, बैंकिंग, अकाउंटिंग, टैक्सेशन, एंटरप्रेन्योरशिप।

अवधि : 3 साल।

2. बैचलर ऑफ इकोनॉमिक्स 12वीं कॉमर्स के बाद के कोर्स की सूची में दूसरा नाम बैचलर ऑफ इकोनॉमिक्स का है। यह एक अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम है, जिसमें इकोनॉमिक्स (अर्थशास्त्र) की पढ़ाई पर ध्यान दिया जाता है। इसमें माइक्रोइकोनॉमिक्स, मैक्रोइकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स और इससे जुड़े अन्य विषय शामिल हैं। यह फाइनेंस, बिजनेस, सरकारी क्षेत्र और शिक्षा (एकेडेमिया) के क्षेत्र में करियर के कई अवसर प्रदान करता है। कॉमर्स स्ट्रीम में करियर बनाने की चाह रखने वाले छात्रों के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है। इसके जरिए आप ग्रेजुएशन के बाद इकोनॉमिक्स या उससे जुड़े क्षेत्रों में आगे की पढ़ाई भी कर सकते हैं।

करियर स्कोप : इकोनॉमिस्ट (अर्थशास्त्री), रिसर्च एनालिस्ट, फाइनेंशियल कंसल्टेंट, पॉलिसी एडवाइजर।

अवधि- 3 साल।

3. बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एक अंडरग्रेजुएट डिग्री



प्रोग्राम है, जो कॉमर्स के छात्रों के लिए सबसे अच्छे कोर्स में से एक है। इस प्रोग्राम में अकाउंटिंग, फाइनेंस, मार्केटिंग, ह्यूमन रिसोर्स और ऑपरेशंस मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल होते हैं। संस्थान के आधार पर, इस कोर्स की अवधि तीन से चार साल हो सकती है। ग्रेजुएशन के बाद, आप आगे की पढ़ाई (जैसे MBA) कर सकते हैं, या फाइनेंस, मार्केटिंग और कंसल्टिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम करना शुरू कर सकते हैं। उदाहरण- ग्लासडोर इंडिया के अनुसार, जो ग्रेजुएट्स बाद में स्क्र करते हैं, उनकी सैलरी में 60क्ल80ल तक की बढ़ोतरी देखी गई है। मैनेजमेंट में रुचि रखने वाले कॉमर्स छात्रों के लिए यह सबसे बेहतरीन निवेशों में से एक है। करियर स्कोप- मैनेजमेंट, मार्केटिंग, ॥क्र कंसल्टिंग, फाइनेंस।

4. बैंकिंग और इंश्योरेंस में बैचलर ऑफ कॉमर्स बैंकिंग और इंश्योरेंस में बैचलर ऑफ कॉमर्स तीन साल का अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसे छात्रों को बैंकिंग और इंश्योरेंस इंडस्ट्री की गहरी समझ देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रोग्राम में अकाउंटिंग, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, बिजनेस लॉ, बैंकिंग ऑपरेशंस, इंश्योरेंस के सिद्धांत और रिस्क मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। यह कॉमर्स के उन कोर्सेज में से एक है जो छात्रों को बैंकिंग सेक्टर के विभिन्न कार्यों के बारे में सिखाता है। इंडियन इंश्योरेंस सेक्टर के हर साल 9ल बढ़ने का अनुमान है (ड्ढञ्चष्ठड्ढ 2025 का अनुमान), इसलिए ग्रेजुएट्स की डिमांड बढ़ रही है।

करियर स्कोप- बैंकिंग ऑफिसर, इंश्योरेंस मैनेजर, रिस्क एनालिस्ट।

5. बैचलर ऑफ़ कॉमर्स इन फाइनेंशियल मार्केट बैचलर ऑफ़ कॉमर्स इन फाइनेंशियल मार्केट (12वीं के बाद किए जाने वाले कॉमर्स कोर्स में से एक है। यह एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है जो फाइनेंशियल मार्केट में स्टूडेंट्स की नॉलेज और स्किल्स को डेवलप करने पर फोकस करता है। यह कोर्स आपको फाइनेंशियल दुनिया की पूरी समझ देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स, इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी, रिस्क मैनेजमेंट और फाइनेंशियल एनालिसिस शामिल हैं। अगर आप फाइनेंशियल मार्केट में करियर बनाने में इंटरेस्टेड हैं तो यह डिग्री आपके लिए आइडियल है।

करियर स्कोप : स्टॉक ब्रोकर, इक्विटी एनालिस्ट, इन्वेस्टमेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर।

ड्यूरेशन : 3 साल।

कॉमर्स में करियर बनाने के फायदे

1. अलग-अलग तरह के करियर के मौके कॉमर्स अकाउंटिंग, फाइनेंस, टैक्सेशन, मैनेजमेंट, बैंकिंग और बिजनेस एनालिटिक्स जैसे फील्ड्स में करियर के कई रास्ते देता है। चाहे आप चार्टर्ड अकाउंटेंट (ष्ट्र) बनना चाहते हों या मार्केटिंग या कंसल्टिंग में कोई रोल करना चाहते हों, आपकी ताकत और पसंद के हिसाब से कोई न कोई रास्ता ज़रूर है।
2. सभी सेक्टर में ज़्यादा डिमांड स्किल्ड कॉमर्स प्रोफेशनल्स की लगातार डिमांड रहती है। जैसे-जैसे बिज़नेस लोकल और ग्लोबल लेवल पर बढ़ रहे हैं, फाइनेंस, ऑडिटिंग और कम्प्लायंस में एक्सपर्ट्स की ज़रूरत बढ़ती जा रही है।
3. एंटरप्रेन्योरशिप के लिए मज़बूत बेस फाइनेंशियल प्लानिंग, ऑपरेशंस और मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के साथ, कॉमर्स एजुकेशन नए एंटरप्रेन्योर्स को सफल बिज़नेस शुरू करने और मैनेज करने के लिए ज़रूरी टूल्स देती है।
4. इंडस्ट्री-वाइड रेलिवेंस कॉमर्स स्किल्स सभी सेक्टर्स में काम आती हैं – जिसमें हेल्थकेयर, टेक, एजुकेशन और एंटरटेनमेंट शामिल हैं – जिससे कॉमर्स ग्रेजुएट्स लगभग हर इंडस्ट्री में वैल्यूएबल बन जाते हैं।
5. ग्लोबल करियर पोटेंशियल जैसे इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता प्राप्त सर्टिफ़िकिट ग्लोबल जॉब के मौके देते हैं, जिससे आप दुनिया भर के टॉप फाइनेंशियल हब में काम कर सकते हैं।
6. लगातार करियर ग्रोथ कॉमर्स करियर में लगातार तरक्की मिलती है। अनुभव और लगातार अपस्किलिंग के साथ, प्रोफेशनल सीनियर रोल में जा सकते हैं या इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, फोरेंसिक अकाउंटिंग या बिजनेस एनालिटिक्स जैसे ज़्यादा सैलरी वाले फील्ड में स्पेशलाइज़ कर सकते हैं।

कॉमर्स में करियर के मौके

12वीं कॉमर्स के बाद टॉप करियर ऑप्शन में चार्टर्ड अकाउंटेंसी, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और फाइनेंशियल एनालिसिस शामिल हैं। ये फील्ड कॉमर्स स्ट्रीम में अच्छी सैलरी वाली नौकरियां देते हैं, जिनमें कमाई की अच्छी संभावना और ग्रोथ के मौके होते हैं। कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए दूसरे पॉपुलर करियर ऑप्शन मार्केटिंग मैनेजर, कंपनी सेक्रेटरी और डिजिटल मार्केटिंग हैं। इनमें से हर रास्ता अलग-अलग इंडस्ट्री में डेवलपमेंट और तरक्की के बेहतरीन मौकों के साथ फायदेमंद करियर देता है।

1. चार्टर्ड अकाउंटेंट एक चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रोफेशनल के तौर पर, आप एक अकाउंटेंट और फाइनेंशियल एक्सपर्ट बनेंगे, जिसे स्टूडेंट्स के लिए सबसे अच्छे कॉमर्स करियर ऑप्शन में से एक माना जाता है। ष्ट्र के तौर पर, आप लोगों, बिजनेस और ऑर्गनाइजेशन को फाइनेंशियल सलाह, ऑडिटिंग, टैक्सेशन और अकाउंटिंग सर्विस देंगे करियर में आमतौर पर एक मुश्किल एजुकेशन प्रोग्राम पूरा करना शामिल होता है, जिसमें प्रैक्टिकल अनुभव और सर्टिफिकेशन एग्जाम पास करना शामिल है। एक बार क्वालिफ़ाई हो जाने पर, आप पब्लिक अकाउंटिंग, कॉर्पोरेट फ़ाइनेंस, सरकार या एकेडेमिया सहित कई फ़ील्ड में काम कर सकते हैं। फ़ाइनेंशियल मामलों में खास जानकारी और एक्सपर्टाइज़ की वजह से यह करियर बहुत सम्मानित और डिमांड में है। में आपका करियर आपको आगे बढ़ने और आगे बढ़ने के कई मौकों के साथ एक फ़ायदेमंद और फ़ायदेमंद प्रोफ़ेशन बना सकता है।

एजुकेशन क्वालिफ़िकेशन

1. किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या इंस्टिट्यूशन से 10+2 या उसके बराबर की पढ़ाई पूरी करें।
2. किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या कॉलेज से ग्रेजुएशन पूरा करें।
3. ड्ढष्ठड्ढ का डेडिकेटेड कोर्स पूरा करें, जिसमें तीन लेवल, फ़ाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फ़ाइनल शामिल हैं, और हर लेवल के आखिर में एग्ज़ाम होते हैं।
4. किसी ष्ट्र फ़र्म में या किसी प्रैक्टिसिंग ष्ट्र के अंडर कम से कम तीन साल की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पूरी करें।
5. सर्टिफ़ाइड पब्लिक अकाउंटेंट एक सर्टिफ़ाइड पब्लिक अकाउंटेंट, या शॉर्ट में एक फ़ाइनेंस एक्सपर्ट होता है जिसके पास अकाउंटेंट के तौर पर काम करने का सर्टिफ़िकेशन होता है। वे टैक्स रिटर्न, बजट और रिपोर्ट तैयार करते हैं, और क्लाइंट के लिए ऑडिट करते हैं। यह भी पक्का करता है कि सभी फ़ाइनेंशियल डॉक्यूमेंट कानून के मुताबिक हों। भारत में बुककीपर और अकाउंट्स पेयेबल क्लर्क के तौर पर भी काम कर सकते हैं। के तौर पर, आप इंटरनेशनल लेवल पर काम करने के लिए भी एलिजिबल हैं, लेकिन, आपको एक्स्ट्रा एग्ज़ाम देने पड़ सकते हैं, यह ग्रेजुएशन के बाद कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन में से एक है।

एजुकेशन क्वालिफिकेशन

1. इस करियर के लिए अकाउंटिंग या बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर डिग्री ज़रूरी है।
2. कैंडिडेट्स को यूनिफ़ॉर्म ष्टक्क एग्ज़ामिनेशन पास करना होगा, जिसमें ऑडिटिंग और अटेस्टेशन, फ़ाइनेंशियल अकाउंटिंग, रिपोर्टिंग और रेगुलेशन जैसे टॉपिक को कवर करने वाले चार सेक्शन होते हैं।
3. अकाउंटिंग या उससे जुड़े फ़ील्ड में काम का अनुभव।
4. डिजिटल मार्केटर यह कॉमर्स से जुड़े करियर विकल्पों में से एक है। यह फाइनेंस से अलग करियर पाथ है, लेकिन उतना ही फायदेमंद भी है। कॉमर्स के छात्रों के लिए इस करियर विकल्प की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कई तरह की स्पेशलाइजेशन हैं, जिनमें आप काम कर सकते हैं। ब्रांडिंग, स्श्वह्व, स्श्वरू सोशल मीडिया, कंटेंट राइटिंग और एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अलग-अलग जॉब पोजीशन और सैलरी रेंज होती हैं। हर पोजीशन में जिम्मेदारियां अलग-अलग होती हैं।

शैक्षिक योग्यता

1. मार्केटिंग, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन या इससे जुड़े किसी क्षेत्र में डिग्री होना मददगार हो सकता है।
2. डिजिटल मार्केटिंग के खास क्षेत्रों, जैसे गूगल एड्स ,गूगल एनालिटिक्स या हबस्पॉट में सर्टिफिकेशन होना भी आपकी विशेषज्ञता दिखाने में मदद करता है।
4. कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (ष्ट्रक्र) एक बेहतरीन करियर विकल्प है। एक ष्ट्रक्र प्रोफेशनल के रूप में, आप फाइनेंशियल मैनेजमेंट और स्ट्रैटेजिक प्लानिंग में विशेषज्ञ बनते हैं। आप अकाउंटिंग, इकोनॉमिक्स और बिजनेस मैनेजमेंट की अपनी जानकारी का इस्तेमाल करके कंपनियों को सही फाइनेंशियल फैसले लेने में मदद करते हैं। CMA फाइनेंशियल डेटा का विश्लेषण करके ट्रेंड्स की पहचान करते हैं, बजट बनाते हैं और भविष्य के अनुमान तैयार करते हैं। वे कॉस्ट मैनेजमेंट और कॉस्ट कंट्रोल रणनीतियों पर भी सलाह देते हैं, जिससे कंपनियों को खर्च कम करने और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिलती है। इस करियर के लिए फाइनेंशियल अकाउंटिंग के सिद्धांतों की गहरी समझ, और साथ ही बेहतरीन एनालिटिकल, प्रॉब्लम-सॉल्विंग और कम्युनिकेशन स्किल्स का होना जरूरी है। आप प्राइवेट सेक्टर के साथ-साथ सरकारी या गैर-लाभकारी संगठनों में भी ष्ट्रक्र के रूप में काम कर सकते हैं।

शैक्षिक योग्यता

1. उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कॉमर्स, इकोनॉमिक्स या इससे जुड़े किसी अन्य क्षेत्र में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।
2. इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा कराया जाने वाला प्रोग्राम (तीनों स्तर) पूरा किया होना चाहिए।
3. अकाउंटिंग या इससे जुड़े क्षेत्र में काम का अनुभव होना चाहिए।
5. कंपनी सेक्रेटरी कॉमर्स के छात्र फाइनेंस से जुड़े करियर विकल्पों के लिए अक्सर को चुनते हैं। ष्टस यानी कंपनी सेक्रेटरी का कोर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा कराया जाता है। एक ष्टस कई तरह की जिम्मेदारियां निभाता है, जिसमें प्रशासनिक और वित्तीय दोनों तरह के काम शामिल होते हैं। मुख्य जिम्मेदारियों में टैक्स रिटर्न का ध्यान रखना, ऑडिटिंग करना, यह सुनिश्चित करना कि सभी वित्तीय नियमों का पालन हो रहा है, और वित्तीय रिकॉर्ड को संभाल कर रखना शामिल है। यह कॉमर्स के क्षेत्र में सबसे बेहतरीन करियर विकल्पों में से एक है, जो कि कोई क्लर्क वाला काम नहीं है।

शैक्षिक योग्यता

1. उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कॉमर्स या उससे संबंधित किसी अन्य क्षेत्र में स्नातक (बैचलर) की डिग्री होनी चाहिए।
2. इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया का पंजीकृत सदस्य होना चाहिए।
3. ष्टस परीक्षा के सभी स्तरों – फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल – को पास करना आवश्यक है।
4. कॉस्ट अकाउंटिंग के क्षेत्र में संबंधित कार्य अनुभव होना चाहिए।
6. इन्वेस्टमेंट बैंकर कॉमर्स के छात्रों के लिए यहाँ बताए गए अन्य करियर विकल्पों में से, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के लिए एक सर्टिफिकेशन या डिग्री की आवश्यकता होती है। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग एक ऐसा पेशा है, जिसमें निवेश करना और क्लाइंट्स को प्रभावी ढंग से सबसे अधिक पैसा कमाने में मदद करना शामिल होता है। इसमें काम करने वाले विशेषज्ञ उच्च स्तर की विश्लेषणात्मक क्षमता और लोगों को मनाने की कला रखते हैं। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के क्लाइंट्स में बहुराष्ट्रीय कंपनियां) और यहाँ तक कि सरकार भी शामिल हो सकती है। इन्वेस्टमेंट बैंकरों को मुख्य रूप से बैंकों द्वारा नियुक्त किया जाता है, जहाँ वे पूंजी जुटाने के तरीके तलाशते हैं। इसके अलावा, उनकी जिम्मेदारियों में विलय और अधिग्रहण , पुनर्गठन , हेज और म्यूचुअल फंड, तथा पूंजी के प्राइवेट प्लेसमेंट में मदद करना शामिल है।

शैक्षिक योग्यता

1. इन्वेस्टमेंट बैंकर बनने के लिए फाइनेंस, इकोनॉमिक्स या अकाउंटिंग में स्नातक (बैचलर) और स्नातकोत्तर (मास्टर) डिग्री को प्राथमिकता दी जाती है।
2. इस क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और योग्यता साबित करने के लिए चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट% जैसे पेशेवर सर्टिफिकेट होने चाहिए।

7. फाइनेंशियल एनालिस्ट फाइनेंशियल एनालिस्ट एक ऐसा एनालिटिक्स पद है, जिसमें बहुत बड़ी मात्रा में डेटा के साथ काम करना होता है। ये किसी कंपनी की मौजूदा वित्तीय स्थिति की जांच करते हैं और फिर उसमें सुधार के लिए सुझाव देते हैं। इन बदलावों का मकसद बेहतर निवेश के जरिए ज्यादा मुनाफा कमाना होता है। कॉमर्स के छात्रों के लिए यह एक फुल-टाइम करियर विकल्प है, जिसमें फाइनेंशियल एनालिस्ट निवेश की रणनीतियां तैयार करते हैं और निवेश से जुड़े फैसलों की देखरेख करते हैं। ये सभी फैसले कंपनी के पिछले और मौजूदा डेटा को ध्यान में रखकर लिए जाते हैं। फाइनेंस के क्षेत्र में करियर बनाने से विकास और तरक्की के शानदार मौके मिलते हैं।

शैक्षिक योग्यता

1. कॉमर्स में कोई भी डिग्री (जैसे B.Com) और उसके बाद फाइनेंस में की मास्टर डिग्री होने पर आप इस पद के लिए योग्य हो जाते हैं।
2. चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट या सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर जैसे सर्टिफिकेशन को भी प्राथमिकता दी जाती है।

8. रिसर्च एनालिस्ट रिसर्च एनालिस्ट भी कॉमर्स के छात्रों के लिए करियर विकल्पों की सूची में शामिल है। एक रिसर्च एनालिस्ट के तौर पर आपकी जिम्मेदारियां कंपनी के हिसाब से अलग-अलग हो सकती हैं। आमतौर पर, आपका काम बाजार, फाइनेंस, ऑपरेशंस और ग्राहकों से जुड़े डेटा की जांच करके रिपोर्ट तैयार करना होता है। इस भूमिका में फाइनेंशियल मॉडल बनाना, रिपोर्ट लिखना और ऑपरेटिंग मेट्रिक्स (कामकाजी आंकड़ों) का विश्लेषण करना जैसी जिम्मेदारियां शामिल होती हैं। रिसर्च एनालिस्ट का ज्यादातर काम स्प्रेडशीट पर होता है, जिसके लिए आपको फोरकास्टिंग (भविष्य का अनुमान लगाना) आनी चाहिए। कॉमर्स के छात्रों के लिए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प है, जिसमें ज्यादातर कंपनियां फाइनेंस या इकोनॉमिक्स (अर्थशास्त्र) के क्षेत्र से जुड़ी होती हैं।

शैक्षिक योग्यता

1. फाइनेंस के छात्र इस पद के लिए योग्य माने जाने हेतु इकोनॉमिक्स में अपनी पोस्ट-ग्रेजुएट पढ़ाई पूरी कर सकते हैं।

9. डेटा एनालिस्ट कॉमर्स के छात्रों के लिए एक उभरता हुआ करियर विकल्प डेटा एनालिस्ट है। डेटा एनालिस्ट डेटा को इकट्ठा करने से लेकर उसके विश्लेषण और व्याख्या तक का काम करते हैं। डेटा निकालने और उसे व्यवस्थित करने के लिए आप SQL, Python और क्रजैसे टूल्स का इस्तेमाल करेंगे। साथ ही, आप अपने निष्कर्षों को चार्ट या ग्राफ जैसे विजुअल फॉर्मेट में पेश करेंगे।

डेटा एनालिस्ट सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और डेटा-आधारित प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए रणनीतियां तैयार करने में भी मदद करते हैं। कॉमर्स के इस करियर में मजबूत एनालिटिकल, प्रॉब्लम-सॉल्विंग और कम्युनिकेशन स्किल्स की जरूरत होती है। फाइनेंस, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे विभिन्न उद्योगों में इसकी काफी मांग है। शैक्षिक योग्यता

1. गणित, सांख्यिकी, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र या व्यवसाय जैसे किसी क्षेत्र में स्नातक की डिग्री।
2. डेटा साइंस, एनालिटिक्स या इससे जुड़े किसी क्षेत्र में मास्टर डिग्री, ताकि विषय की गहरी समझ मिल सके और नौकरी के बेहतर अवसर मिलें।
3. डेटा विश्लेषण के विशिष्ट टूल्स, जैसे प्रोग्रामिंग भाषाओं या डेटा प्रबंधन प्रणालियों में सर्टिफिकेशन।

10. बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर चाहे व्यवसाय छोटा हो या बड़ा, हर कंपनी को एक ऐसे विशेषज्ञ की जरूरत होती है जो उसे आगे बढ़ा सके। किसी कंपनी की भविष्य की सफलता में %बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर% की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। इन्हें इस तरह प्रशिक्षित किया जाता है कि वे कंपनी के लक्ष्यों के अनुकूल बेहतरीन बाजारों की खोज कर सकें, नए संभावित ग्राहक जुटा सकें, उनसे मिल सकें और उनके साथ अच्छे संबंध बनाए रख सकें।

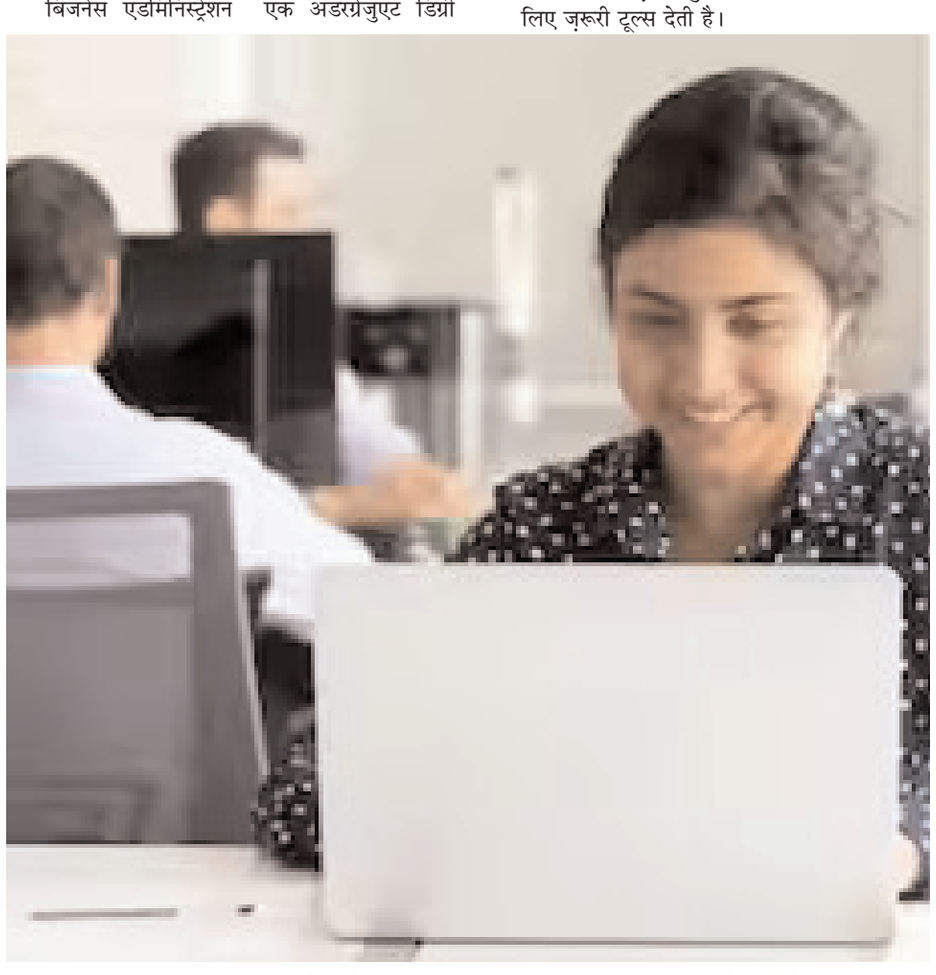



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

माइक्रोन के कर्मचारी को मिला दिवाली गिफ्ट: 8 लाख सालाना पैकेज पर 20 लाख का बोनस!

वाशिंगटन। जहां साल भर की मेहनत के बाद मिलने वाला बोनस अक्सर कर्मचारियों के वेतन का एक छोटा हिस्सा होता है, वहीं अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी माइक्रोन के एक भारतीय कर्मचारी को कथित तौर पर 8 लाख के सालाना पैकेज पर करीब 20 लाख रुपये का दिवाली गिफ्ट मिलने की खबरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। यह दावा हैरान करने वाला है, क्योंकि यह राशि कर्मचारी के वार्षिक वेतन से ढाई गुना अधिक है। हालांकि, कंपनी ने इस पूरे भुगतान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सोशल मीडिया पर दावा किया गया है कि माइक्रोन के एक हालिया कर्मचारी को, जिसका सालाना पैकेज करीब 7-8 लाख रुपये है, कुल मिलाकर करीब 20 लाख रुपये का भुगतान और शेयर अवॉर्ड मिला है। इस कथित भुगतान में 12 लाख रुपये नकद और



8 लाख रुपये के रेस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स (आरएसयूएस) शामिल हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आर.एस.यू. शेयरों का वह हिस्सा है जो कर्मचारी को तुरंत नकद नहीं मिलता, बल्कि तय शर्तों के मुताबिक आने वाले कुछ सालों में मिलेगा। यानी, पूरी 20 लाख रुपये की रकम तुरंत नकद प्राप्त नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक, 12 लाख रुपये का नकद भुगतान अक्टूबर की सैलरी के साथ किया गया था, जिस पर करीब 2.7 से 2.8 लाख रुपये का टैक्स कटा। इसका मतलब है कि कर्मचारी के हाथ में आने वाली नकद रकम 12 लाख रुपये से कम होगी। पोस्ट में बताया गया है कि जिस कर्मचारी का उदाहरण दिया गया है, वह कंपनी के प्रोडक्शन विभाग में काम करता है। हालांकि, इससे यह साबित नहीं होता कि माइक्रोन के सभी कर्मचारियों को इसी तरह का बोनस मिला है। इस बड़ी बोनस की चर्चा सबसे पहले एक प्रोफाइल साइट पर शुरू हुई थी, जहां एक यूजर ने माइक्रोन के कर्मचारियों के बोनस के बारे में पूछा था। इसके बाद एक्स पर भी कई यूजर्स ने अपने परिचितों के हवाले से इतने बड़े कैश बोनस और शेयर मिलने के दावों का समर्थन किया। हालांकि, ये सभी व्यक्तिगत अनुभव और सोशल मीडिया पर किए गए दावे हैं, जिनकी सत्यता की पुष्टि स्वतंत्र रूप से नहीं की जा सकती। बता दें कि माइक्रोन मेमोरी चिप बनाने वाली दुनिया की बड़ी कंपनियों में से एक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती मांग के कारण डेटा सेंटर और सर्वर में हाई-बैंडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) और अन्य मैमोरी चिप्स की मांग तेजी से बढ़ी है, जिससे चिप निर्माताओं के कारोबार को फायदा मिल रहा है। इसके अतिरिक्त, माइक्रोन ने वित्त वर्ष 2027 से दुनिया भर के कर्मचारियों के लिए कंपनी के प्रदर्शन से जुड़ा एक तिमाही बोनस प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा भी की है। इस वैश्विक योजना में भुगतान कंपनी के मुनाफे और भविष्य के पूंजीगत खर्च के आधार पर तय होगा, जिसमें आधा हिस्सा नकद और बाकी शेयरों के रूप में दिया जाएगा।



पराग्वे में उनो बैंक की एक शाखा बंद होने के बाद उसके बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी। यहं लोग अपनी रकम निकालने पहुंच रहे है जिससे सुरक्षा के लिए पुलिस को लगाया गया है।

ट्रंप की नीतियों और आक्रामक तेवरों पर जनता ने कर दिया कड़ा प्रहार

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में सत्ताधारी दल की करारी हार

वाशिंगटन। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के शुरुआती और महत्वपूर्ण रुझानों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके राजनीतिक खेमे को तगड़ा झटका दिया है। संसद और प्रमुख राज्यों से सामने आ रहे चुनावी परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शा रहे हैं कि यह पराजय केवल कुछ उम्मीदवारों की हार नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक नीतियों, उनकी कार्यशैली और सत्ता के केंद्रीयकरण के खिलाफ अमेरिकी जनता का तीखा आक्रोश है। चुनाव परिणामों के विश्लेषणकर्ताओं का साफ कहना है, कि आम नागरिकों के लिए आसमान छूती महंगाई और जीवनयापन का बढ़ता संकट सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना। वैश्विक तनाव और व्यापारिक नीतियों के कारण ईंधन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम उच्च स्तर पर पहुंच गए, जिससे मध्यम वर्ग और ग्रामीण इलाकों के लोगों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा। रोजगार के मोर्चे पर अनिश्चितता और बढ़ती लागत ने मतदाताओं को सत्ता पक्ष के खिलाफ मतदान करने के लिए प्रेरित किया। ट्रंप की कार्यशैली और नीतियों के प्रति नाराजगी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई आक्रामक नीतियां उनके लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हुई हैं। मतदाताओं ने उस प्रशासनिक रवैये को सिरे से नकारा है, जिसमें संवैधानिक संस्थाओं और नियंत्रण के तंत्र को दरकिनार करने की कोशिश की गई। इसके अलावा, अप्रवासन और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े कड़े कदमों ने अमेरिकी समाज के एक बड़े वर्ग को नाराज किया। ?पारंपरिक रूप से मजबूत माने जाने वाले गढ़ों और क्षेत्रों में भी मतदाताओं का सत्ताधारी नेतृत्व से मोहभंग होना यह बताता है कि जनता अब राजनीतिक अहंकार और असहज करने वाले प्रशासनिक फैसलों को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। इन चुनावी नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी मतदाता देश की दिशा और आर्थिक प्रबंधन को लेकर एक कड़ा संदेश देना चाहते हैं। इस राजनीतिक उलटफेर ने आगामी समय में वाशिंगटन की नीतिगत और विधाई प्रक्रियाओं के समीकरण पूरी तरह से बदल दिए हैं, जिसका असर राष्ट्रपति ट्रंप के बाकी कार्यकाल पर पड़ना तय है।

संक्षिप्त समाचार

लोगों को बांटने की कोशिश करने वाली सियासत को अमेरिकी जनता ने नकार दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव 2026 में रिपब्लिकन पार्टी और राष्ट्रपति ट्रंप को जोरदार झटका लगा है। नतीजे सामने आने के बाद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि ये जनता लोगों को बांटने की कोशिश करने वाली सियासत को नकार रही है। ओबामा ने कहा कि अमेरिकी जनता ने एक स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वे ऐसी राजनीति चाहते हैं जो लोगों को बांटने के बजाय उन्हें एकजुट करे और ऐसे नेता चाहते हैं जो उनके सामने आने वाली चुनौतियों का ठोस समाधान पेश कर सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओबामा ने जीत का कारण साझा मूल्यों और एकजुटता से आगे बढ़ने की सोच को माना। ये नतीजे इसलिए संभव हो पाए क्योंकि देश के हर हिस्से से बेहतरीन उम्मीदवार आगे आए। यहां तक कि उन इलाकों से भी, जहां जीत की उम्मीद बहुत कम मानी जाती थी। वे अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए थे और उनके राजनीतिक विचार भी अलग-अलग थे, लेकिन वे कुछ साझा मूल्यों, जनसेवा में विश्वास और अपने जिलों व राज्यों के लोगों को सबसे ऊपर रखने की प्रतिबद्धता से एकजुट थे। ओबामा ने मध्यावधि चुनाव प्रचार में जुटे कार्यकर्ताओं और वॉलंटियर्स का भी आभार माना। उन्होंने कहा कि हम उन हजारों चुनाव कार्यकर्ताओं और दोनों पार्टियों के स्वयंसेवकों के भी आभारी हैं, जिन्होंने चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने में मदद की और हमारे लोकतंत्र के सबसे अहम कार्यों में से एक को बखूबी निभाया। ओबामा ने अपने बयान में लोगों को भविष्य के लिए तैयार रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रशासन का कार्यकाल अभी दो साल और है। ऐसे में हमारा काम और अहम हो जाता है। अब पार्टी और सहयोगियों को अपनी आस्तीनें चढ़ाकर काम करना होगा। जहां भी हमारे पास बदलाव लाने का अधिकार है, वहां बदलाव लाना होगा ताकि आगे और नुकसान न होने दें और भविष्य के लिए तैयार हों।

आपको मेरा नाम लेने में परेशानी होती है, आप मुझे सीनेटर कहकर बुला सकते हैं

वाशिंगटन। मिशिगन ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल रहमान अल सैयद को अपना अगला सीनेटर चुना है। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी और रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को मात दी। अब्दुल ने माना कि ये उनके लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। जीत के बाद एक्स पर उन्होंने अपनी राय पेश की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि हम सभी जानते हैं कि मेरे नाम और मेरे धर्म की वजह से आपका पेट्रोल खरीदना महंगा नहीं हुआ है। न ही इसकी वजह से आप राशन खरीदने में परेशानी झेल रहे हैं और न ही आपको डॉक्टर के पास जाने में दिक्कत हो रही है। फिर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पर निशाना साधते हुए अब्दुल ने कहा कि मुझे पता है कि आपको मेरा नाम लेने में परेशानी होती है। इसलिए जनवरी में जब जेडी वेंस मुझे सीनेटर पद की शपथ दिलाएंगे, तो आप मुझे सीनेटर कहकर बुला सकते हैं। मुद्दों की बात करें तो अब्दुल ने चुनाव प्रचार में स्वास्थ्य सेवा सबके लिए उपलब्ध कराने, महंगाई कम करने और इजराइल को अमेरिकी सैन्य मदद बंद कराने पर जोर दिया था। पेशे से डॉक्टर सैयद ने लिखा, मिशिगन की सेवा करने के लिए अमेरिकी सीनेट जाना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। मिशिगन, हमने वह कर दिखाया जिसे लोग कहते थे कि किया ही नहीं जा सकता। हम जीत गए। एक साथ मिलकर। अब असली काम शुरू होता है। इस जीत के साथ ही अब्दुल अमेरिकी सीनेट तक पहुंचने वाले पहले मुस्लिम हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें उनके धर्म को लेकर टारगेट किया गया था। बुधवार रात को उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए जो कहा, वो उसका जवाब था। जीत से उत्साहित अब्दुल अल सैयद ने मंच से कहा कि मेरा नाम अब्दुल रहमान अल सैयद है और मिशिगन हमने जीत हासिल कर ली। मुझे खुशी है कि मैं आपके सामने बतौर सीनेटर इलेक्ट खड़ा हूं।

बांग्लादेश में कपड़ा उद्योग के मजदूरों का वेतन वृद्धि को लेकर विरोध तेज

ढाका। बांग्लादेश में कपड़ा उद्योग के कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। राजधानी ढाका के मीरपुर इलाके में प्रदर्शनकारी श्रमिकों और पुलिस के बीच टकराव हुआ, जिससे हालात बिगड़ गए। पुलिस ने भीड़ को हटाने आंसू गैस के गोले और साउंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। प्रदर्शन के कारण कई सड़कों पर यातायात बाधित हुआ और एक मेट्रो स्टेशन को भी कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब सवा 10 बजे मीरपुर-11 इलाके में उस समय तनाव बढ़ गया, जब पुलिस ने श्रमिकों को सड़क पर जाम लगाने से रोकने की कोशिश की, जिसके बाद झड़पें शुरू हो गईं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके, जिसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस और साउंड ग्रेनेड छोड़े। प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों की प्रमुख मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन बढ़ाकर 30 हजार टका किया जाए। इसके अलावा वे नौकरी से निकालने की प्रक्रिया पर रोक लगाने और कर्मचारियों को ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था खत्म करने की मांग भी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक पुलिस और श्रमिकों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं और आगजनी, तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद देश की 264 कपड़ा फैक्ट्रियों में कामकाज रोकना पड़ा है।

माता-पिता कर रहे थे घर में काम, बच्चा खेलते-खेलते सड़क पर पहुंचा

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में घर के बाहर अपने काम में लगे माता-पिता को पता भी नहीं चला कि उनका मासूम बच्चा कब सड़क पर पहुंच गया। कुछ ही देर में बच्चा एक गाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसकी जान चली गई। यह घटना शुक्रवार फ्लोरिडा के जोंसविल इलाके में घटी। फ्लोरिडा हाईवे पेट्रोल के अधिकारियों के मुताबिक बच्चे के माता-पिता घर के बाहर साफ-सफाई कर रहे थे। इसी दौरान बच्चा उनकी नजरों से दूर चला गया। अधिकारियों के मुताबिक बच्चा जब दिखाई नहीं दिया तो माता-पिता ने उसे तलाशा। उन्होंने उन जगहों पर बच्चे को खोजा, जहां वह आमतौर पर जाता था, जब तक वे उसे खोज पाते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

जंगलों की आग ने बिगाड़े 3 देशों के रिश्ते, इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर में तनातनी

जकार्ता। इंडोनेशिया के जंगलों में लगी भीषण आग का जहरीला धुआं अब उसके पड़ोसी देशों मलेशिया और सिंगापुर के लिए गंभीर संकट बना है। कालिमंतान, पापुआ और सुमात्रा के जंगलों से उठ रहा यह धुआं हवा के साथ इन देशों तक पहुंच रहा है, इससे हजारों लोगों को सांस लेने में दिक्कत, सिरदर्द और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं। मलेशिया के कई इलाकों में स्कूलों को बंद करना पड़ा है। यह स्थिति कुछ दिनों की बजाय कई हफ्तों से बनी हुई है, जिसने लोगों में भारी नाराजगी और तीनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा किया है। इन आग लगने की घटनाओं की मुख्य वजह हर साल खेती और व्यावसायिक उद्देश्यों, खासकर पाम ऑयल की खेती के लिए जंगलों को साफ करना है। अक्सर इसके लिए जंगलों में आग लगाई जाती है। अगर यह आग जमीन के नीचे मौजूद पीटलैंड तक फैल जाए, तब इस आग को बुझाना और भी मुश्किल होता है। इस साल अल नीनो के कारण सूखे की स्थिति गंभीर रही, जिससे आग तेजी से फैली और उस पर काबू पाना बेहद कठिन हो गया। इस गंभीर स्थिति के चलते मलेशिया में लोगों ने इंडोनेशियाई उत्पादों का बहिष्कार शुरू कर दिया है, वहीं सिंगापुर ने आग से जुड़ी कंपनियों की जांच तेज कर दी है। मलेशियाई सांसद सैयद सादिक ने आग लगाने वाली कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर उन्हें क्षेत्र में अलग-थलग करने की अपील की है। उधर, सिंगापुर सरकार ने नागरिकों को राहत देने के लिए सैकड़ों केंद्र बनाए हैं और मास्क बांटे जा रहे हैं। वह धुएं से जुड़े कानूनों को सख्त करने पर विचार कर रही है, लेकिन सिंगापुर में लोग अपनी सरकार की तैयारियों पर सवाल उठा रहे हैं। इसी बीच, इंडोनेशिया ने सिंगापुर को गैस का निर्यात घटाने का ऐलान किया, इसकारण अपनी ऊर्जा जरूरतों को बताया।

अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर हमला, तेल बाजार पर बढ़ा तनाव

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच कायम सीजफायर तब टूट गया,जब अमेरिकी सेना ने ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण केश्म द्वीप पर हमला कर दिया। होर्मुज के दिल कहे जाने वाले द्वीप पर हुए हमले के बाद पाँच धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। अमेरिकी अधिकारियों ने कार्रवाई को पूरी तरह से रक्षात्मक बताकर कहा कि इसका मकसद इलाके में अमेरिकी विमानों और संपत्तियों की सुरक्षा करना था। उनके मुताबिक, ईरान ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट पर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागी थीं, जिसके जवाब में अमेरिका ने यह कदम उठाया। यह हमला अमेरिकी चुनाव से ठीक एक दिन पहले हुआ, इससे राजनीतिक गलियारों में हैरानी हुई। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने बड़ा युद्ध अभियान न बताकर ईरान को एक चेतावनी करार दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जहाँ एक ओर समझौते की संभावना जाहिर की हैं। वहीं अमेरिकी मीडिया ने नरम युद्ध भी करार दिया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी दोनों देशों के बीच कुछ प्रगति का जिक्र किया, लेकिन सैन्य और गैर-सैन्य दोनों विकल्पों को खुला रखा। केश्म द्वीप बंदर अब्बास से सिर्फ 14 मील दूर है और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित है। यह जलमार्ग दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा है। ईरान द्वीप से जलमार्ग पर नजर रखता है और अपनी एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करता है। अमेरिका का कहना है कि ईरान ने यहीं से अमेरिकी विमानों पर हमला करने की कोशिश की, इसलिए सीधे उन ठिकानों को निशाना बनाया गया जहाँ से खतरा पैदा हो रहा था। इस सीमित कार्रवाई का उद्देश्य स्पष्ट था, अमेरिका अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत जवाब देगा, लेकिन पूरे युद्ध को फिर से नहीं भड़काना चाहता। हालांकि, यदि यह स्थिति बड़े संघर्ष में बदलती है, तब तेल और गैस की कीमतें 20-30 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं, जिससे वैश्विक महंगाई में भारी उछाल आएगा।

ट्रंप ने मिडटर्म नतीजे स्वीकारे, विपक्ष से सहयोग की जाहिर की उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका में मिडटर्म चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को कई क्षेत्रों में झटके लगने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी नतीजों को स्वीकार करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह परिणामों को पूरी तरह स्वीकार तैयार हूं और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सहयोग की संभावना जताकर कहा, हम उनके साथ काम करने की उम्मीद कर रहे है। हम शायद मिलकर कोई रास्ता निकाल लें। ट्रंप का बयान तब आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी को अपने मजबूत गढ़ माने जाने वाले कुछ चुनावी क्षेत्रों में भी हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, चुनावी झटकों के बीच ट्रंप ने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों पर हार का ठीकरा फोड़ा। उन्होंने लिखा, मैं चुनाव मैदान में नहीं था। अगर मैं चुनाव लड़ रहा होता, तब हम भारी अंतर से जीत रहे होते। इस बयान के जरिए उन्होंने खुद को चुनावी हार से अलग करते हुए संकेत दिया कि नतीजों के लिए पार्टी के उम्मीदवार जिम्मेदार हैं। रिपब्लिकन पार्टी के लिए इन नतीजों को बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है, जिसमें प्रतिनिधि सभा में नियंत्रण गंवाने और सीनेट में भी नुकसान की आशंका है। ट्रंप की इस प्रतिक्रिया से पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ सकता है।

चीन ने कैरियर किलर मिसाइल से अमेरिकी युद्धपोत को उड़ाने का किया दावा



वीडियो जारी कर दुनिया को दिया कड़ा संदेश

बीजिंग । चीन ने अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन कर एक नया वीडियो जारी किया है, जिसने वैश्विक स्तर पर हलचल मचा दी है। चीनी सरकारी मीडिया के माध्यम से जारी वीडियो में उसकी घातक डीएफ-26बी (डीएफ-26बी) एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल को एक अमेरिकी विमानवाहक पोत (एयरक्राफ्ट कैरियर) जैसे दिखने वाले नकली टारगेट को पूरी तरह तबाह करते हुए दिखाया गया है। यह परीक्षण शिनजियांग प्रांत के ताकलामाकन रेगिस्तान स्थित रुओकियांग इलाके में किया गया है, जहां चीन अक्सर अपनी मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण करता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मिसाइल ने किस प्रकार सटीक निशाना लगाकर टारगेट को नेस्तनाबूद कर दिया। टारगेट की वास्तविक स्थिति का अनुकरण करने के लिए उसे पटरियों पर रखा गया था, ताकि यह दर्शाया जा सके कि मिसाइल चलती हुई समुद्री संपत्तियों को भी भेद सकती है। इस शक्तिशाली प्रदर्शन को पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में चीन की एंटी-एक्सेस और एरिया डिनायल (ए2/एडी) क्षमता के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, डीएफ-26बी एक रोड-मोबाइल मिसाइल है, यानी इसे सड़कों पर आसानी से चलने वाले वाहनों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। इससे दुश्मन के लिए इसे ट्रैक करना बेहद मुश्किल हो जाता है। करीब 4,000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली यह मिसाइल भारी मात्रा में विस्फोटक (वारहेड) ले जाने में सक्षम है। चीनी सेना इसे कैरियर किलर के रूप में विकसित कर रही है, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य अमेरिकी युद्धपोतों को निशाना बनाना है। यह वीडियो तब सामने आया है जब ताइवान और दक्षिण चीन सागर को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव लगातार चरम पर है। अमेरिका इन क्षेत्रों में अपनी नौसैनिक मौजूदगी बनाए रखता है और विमानवाहक पोत उसकी ताकत का मुख्य प्रतीक माने जाते हैं। इस फुटेज के जरिए चीन ने परोक्ष रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों को कड़ा रणनीतिक संदेश देने की कोशिश की है कि वह क्षेत्रीय विवादों में अपनी सैन्य श्रेष्ठता साबित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि रेगिस्तान में स्थिर या सीमित गति वाले नकली टारगेट पर हमला करना, खुले समुद्र में चल रहे और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस असली अमेरिकी युद्धपोत को भेदने से काफी अलग है। वास्तविक युद्ध की स्थिति में विमानवाहक पोत के इर्द-गिर्द कई सुरक्षा कवच, लड़ाकू विमान और विध्वंसक जहाज तैनात होते हैं, जो ऐसी मिसाइलों को बीच में ही रोक सकते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और मौसम जैसी जटिलताएं भी मैदान में अहम भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद, इस वीडियो का जारी होना केवल एक तकनीकी परीक्षण नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक और सैन्य संकेत है। यह घटना दिखाती है कि चीन अपनी मिसाइल तकनीक को लगातार उन्नत कर रहा है और भविष्य के संभावित संघर्षों के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने में जुटा है।

ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति बढ़ेगी, सुरक्षा समझौता पास

ग्रीनलैंड। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो सहयोगी डेनमार्क के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर नियंत्रण हासिल करने के लिए कई महीनों तक चले राजनीतिक दबाव के बाद, आखिरकार यहाँ के सांसदों ने एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय सुरक्षा समझौते को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। यह समझौता आर्कटिक द्वीप ग्रीनलैंड, डेनमार्क और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच आर्कटिक तथा उत्तरी अटलांटिक क्षेत्रों में, जो भू-राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेगा। इस ऐतिहासिक कदम से ग्रीनलैंड में और अधिक अमेरिकी सैन्य ठिकाने स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। यह समझौता ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाने की बार-बार की जा रही मांग के बाद उत्पन्न हुए गंभीर राजनीतिक तनाव को काफी हद तक कम करने में सहायक होगा, जिससे दोनों पक्षों के बीच संबंधों में स्थिरता आएगी। समझौते का मुख्य उद्देश्य रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीप पर अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को बढ़ाना है, जबकि इसका स्वशासी दर्जा और डेनमार्क का नियंत्रण पूरी तरह से बरकरार रहेगा।

पाकिस्तान में अहमदी मुसलमानों पर अत्याचार, नहीं दफनाने दिया महिला का शव

करांची। पाकिस्तान में मुसलमानों पर अत्याचार बढ़ रहा है। हाल ही में पंजाब के पचनंद इलाके में एक अहमदी महिला के निधन के बाद उनके शव को दफनाने और फातिहा पढ़ने से रोकने का मामला सामने आया है। इस घटना ने एक बार फिर मानवाधिकारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर बहस छेड़ दी है। कट्टरपंथियों के विरोध के कारण परिवार अपने प्रियजन को धार्मिक रीति-रिवाजों के मुताबिक विदा नहीं कर सका। रिपोर्टों के मुताबिक मौलवियों ने न केवल अहमदियों को शव दफनाने से रोका, बल्कि उनके धार्मिक रीति-रिवाजों का भी विरोध किया। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि अहमदियों को उस स्थान से भगाने के बाद कुछ मौलवियों ने जश्न मनाया। यह पाकिस्तान में पहली बार नहीं है जब अहमदियों को अंतिम संस्कार और दफनाने में रुकावटों का सामना करना पड़ा हो। सितंबर 2025 में पंजाब के सियालकोट जिले के पीरो चक गांव में बुजुर्ग महिला कुदसिया तबस्सुम के अंतिम संस्कार को भी इसी तरह रोका गया था, जिसके बाद पुलिस के हस्तक्षेप से दूसरे अहमदी कब्रिस्तान में शव को दफन किया था। 1974 में पाकिस्तान की संसद ने दूसरे संवैधानिक संशोधन के जरिए अहमदियों को गैर-मुस्लिम घोषित कर दिया था। इसके दस साल बाद, जनरल जिया-उल-हक के 1984 के अध्यादेश ने उनकी धार्मिक अभिव्यक्ति पर और पाबंदियां लगा दीं, जिसमें खुद को मुस्लिम बताना या इस्लामी शब्दों का इस्तेमाल करना अपराध बना दिया गया। 7 सितंबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने अहमदियों के खिलाफ जारी भेदभाव, हिंसा और कानूनी पाबंदियों पर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान से अपील की कि वह समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करे और कानून के तहत समान व्यवहार सुनिश्चित करे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 05 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

विराट की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में न्यूजीलैंड को हराया



सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

ऑकलैंड। विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी (74) रनों से भारतीय टीम ने वर्षा बाधित पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कीवी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 185 रनों पर ही सिमट गयी। भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक चार विकेट अर्शदीप सिंह ने लिए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य मिला। भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान बारिश होने से टीम को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने 22.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा शून्य पर ही आउट हो गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी संभाली। शुभमन और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी बनायी। शुभमन 56 गेंद में पांच चौके लगाकर 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं विराट ने 51 गेंद में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रन बनाये। लगाया। अक्षर खाता फिर असफल रहे और शून्य पर ही आउट हो गये। श्रेयस अय्यर भी 15 रन ही बना सके। केएल राहुल ने तीन रन बनाये नमन धीर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। बल्लेबाजी के लिए बुलाये जाने पर मेजबान टीम 40.2 ओवर में 185 रन ही बना पायी। उसके पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने एक के बाद एक विकेट खो दिये। सलामी बल्लेबाज विल यंग 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे। विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने सबसे अधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा डेरिल मिचेल ने 28 और ग्लेन फिलिप्स ने 30 रन बनाये। कोई भी कीवी बल्लेबाज लंबी पारी नहीं खेल पाया। कीवी टीम ने 146 रनों पर 9 विकेट खो दिये। एक समय लग रहा था कि टीम 150 रनों तक भी नहीं पहुंच पायेगी पर अंतिम स्थान पर उतरे ब्लेयर टिकनर केवल 23 गेंदों पर तेजी से 34 रन बनाए बनाकर टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इस दौरान डफी ने नाबाद 15 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। न दोनों के बीच आखिरी विकेट के लिए 39 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, जिसके दम पर न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रनों पर ऑल आउट हुई।

विराट और रोहित ने असाधारण फील्डिंग कर जीता दिल

फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

ऑकलैंड। यहां भारत और मेजबान टीम के बीच हुए पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम के दो पूर्व कप्तानों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अपनी जबरदस्त फील्डिंग से दिखाया कि बढ़ती उम्र से उनकी फिटनेस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और वे किसी युवा खिलाड़ी की तरह ही मैदान पर सजग रहते हैं। 37 वर्षीय विराट ने स्लिप में एक असाधारण कैच पकड़ा जिसे देखकर ऐसा लगा जैसे मानों जमीन के अंदर से गेंद निकाली गयी है। वहीं इसी प्रकार रोहित ने भी अपनी फुर्ती और सटीक थ्रो से एक बेहद मुश्किल रन आउट कर अपनी फिटनेस पर सवाल उठाने वालों पर जवाब दिया। इन दोनों घटनाओं ने यह साबित कर दिया कि भारतीय टीम के ये दोनो ही दिग्गज आज भी फिटनेस और खेल के प्रति समर्पित हैं। विराट ने मेजबान टीम की बल्लेबाजी के दौरान ही तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज की गेंद पर नाथन स्मिथ का एक बेहद कठिन कैच पकड़ा। यह सिर्फ एक कैच नहीं था, बल्कि फुर्ती, एकाग्रता से किया प्रयास था। इस असाधारण कैच को लपकने के बाद विराट का सेलिब्रेशन भी तुरंत वायरल हुआ। उनके चेहरे पर खुशी और संतुष्टि साफ झलक रही थी, जो दर्शाता है कि मैदान पर वह आज भी कितने ऊर्जावान और खेल के प्रति समर्पित हैं। वहीं इससे पहले रोहित शर्मा ने भी अपनी शानदार फील्डिंग से न्यूजीलैंड को करारा झटका दिया। पारी के 21.1 ओवर में, जब अक्षर पटेल की गेंद पर ग्लेन फिलिप्स ने लेग साइड पर फ्लिक किया और रन के लिए भागे, तो रोहित ने तेजी से गेंद पकड़कर हवा में छलांग लगाते हुए विकेटकीपर के पास सटीक थ्रो फेंका। तब विकेटकीपर राहुल ने बेल्स उड़ाने में कोई गलती नहीं की। इस दौरान दोनों ही बल्लेबाजों ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल के बीच तालमेल की कमी भी साफ नजर आई, जिसका फायदा भारतीय टीम ने बखूबी उठाया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड को 9 मैचों के बाद मिली जीत, रोमा को 3-2 से हराया

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने यहां खेले गये यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के एक अहम मुकाबले में ए एस रोमा कलब को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही मैनचेस्टर की लगातार नौ मैचों में हार का सिलसिला भी थम गया। इस मैच में मैनचेस्टर की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उसने ये दो गोल से पिछड़ने के बाद भी हासिल की है। इससे क्लब पर दबाव भी कम हुआ है। मैच की शुरुआत में ही रोमा के मटियास सोले और डोनियल मालेन ने पेनल्टी पर गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस प्रकार शुरुआत में पिछड़ने के बाद मैनचेस्टर ने वापसी के प्रयास शुरु कर दिये पर इसी दौरान मिडफील्डर कार्लोस बालेबा को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर जाना पड़ा। इस प्रकार दबाव के क्षणों में कप्तान ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी पर गोल कर मैनचेस्टर को राहत दी। कराई। इस गोल के बाद मैनचेस्टर के हौंसले बुलंद हो गये। इसके बद ब्रायन म्ब्यूमो ने भी गोल का प्रयास किया पर उनका शॉट दोनों पोस्ट से टकराकर वापस आ गया पर थोड़ी देर के बाद ही मैथ्यूस कुन्हा ने गोल दागकर कर स्कोर बराबर कर दिया। वहीं मैच के अंतिम क्षणों में, कुन्हा ने एक और अच्छा प्रयास किया और इसमें भी वह गोल करने में सफल रहे। इससे स्कोर 3-2 हो गया और मैनचेस्टर को बढ़त मिल गयी जो अंत का कायम रही। मेजबान टीम ने 54 दिनों में अपनी पहली जीत हासिल की, जिसने हेड कोच माइकल कैरिक को भी राहत मिली है। लगातार हार के कारण उन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा था। अब टीम अपने अगले मैचों में एस्टन विला, लिवरपूल और स्पोर्टिंग सीपी जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी।

बीसीसीआई महिला टीम के लिए फील्डिंग कोच और पुरुष टीम के लिए मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट की तलाश में लगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए फील्डिंग कोच और पुरुष टीम के लिए मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। बोर्ड के अनुसार, इसके लिए इच्छुक उम्मीदवार 16 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। महिला क्रिकेट टीम काफी समय से फील्डिंग कोच की कमी से जूझ रही है। टीम का प्रदर्शन भी इससे प्रभावित हो रही है क्योंकि खिलाड़ियो ने अहम अवसरों पर कैच छोड़े हैं। ऐसे बोर्ड को उम्मीद है कि नए फील्डिंग कोच के आने से टीम की फील्डिंग एक बार फिर विश्वस्तरीय होगी। पिछले कुछ समय से मुनीष बाली को महिला टीम के फील्डिंग कोच के तौर पर अस्थायी रुप से रखा गया था पर अब बोर्ड इस पद के लिए एक स्थायी और अनुभवी उम्मीदवार चाहता है। मुख्य कोच का पद सितंबर में कमलेश जैन के इस्तीफा के बाद से ही खाली पड़ा है। बीसीसीआई इस अहम भूमिका के लिए एक नए और अनुभवी पेशेवर कोच की तलाश में है। यह पद खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस, चोट प्रबंधन और रिकवरी सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेषकर जब टीम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रही हो। मुख्य फिजियो के पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास फिजियो सेवाएं प्रदान करने का कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, उन्हें शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों या राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय टीम के साथ काम करने का सिद्ध अनुभव होना चाहिए। उच्च प्रदर्शन वाली खेल टीमों के साथ सफलतापूर्वक काम करने वाले उम्मीदवारों को इस पद के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। बीसीसीआई इन रणनीतिक नियुक्तियों के माध्यम से दोनों टीमों की पेशेवर तैयारी और ऑन-फील्ड प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद कर रहा है। ऐसे में योग्य और उत्साही उम्मीदवार भारतीय क्रिकेट के इस महत्वपूर्ण चरण में योगदान देने के लिए निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।

विराट, रोहित और शुभमन को महान रग्बी स्टार मीलामू ने भेंट की ऑल ब्लैक्स जर्सी

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड और भारत के बीच पहले वनडे मुकाबले से ठीक पहले, भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा को एक खास सम्मान मिला। उन्हें न्यूजीलैंड के पूर्व महान रग्बी खिलाड़ी केविन मीलामू ने व्यक्तिगत ऑल ब्लैक्स जर्सी भेंट की । यह कार्यक्रम ऑकलैंड के प्रतिष्ठित ईडन पार्क में आयोजित किया गया, जो दोनों देशों के बीच सौ साल पुराने खेल संबंधों के जश्न का एक हिस्सा है। ईडन पार्क में आयोजित एक विशेष बातचीत के दौरान, मीलामू ने तीनों भारतीय क्रिकेटरों का ऑल ब्लैक्स परिवार में गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने प्रत्येक खिलाड़ी को उनके क्रिकेट नंबरों वाली काली जर्सी उपहार में दी। शुभमन गिल को 77, विराट कोहली को 18 और रोहित शर्मा को 45 नंबर की जर्सी दी गई। इसने दो प्रमुख खेलों के बीच एक अद्वितीय क्रॉसओवर का अवसर प्रदान किया। गौरतलब है कि मीलामू स्वयं न्यूजीलैंड रग्बी के सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, जिन्होंने 132 टेस्ट मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। वह 2011 और 2015 में रग्बी विश्व कप जीतने वाली टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य भी रहे हैं। इस आयोजन का स्थल, ऑकलैंड का ईडन पार्क, न्यूजीलैंड के खेल इतिहास में एक खास जगह रखता है। यह देश के सबसे प्रसिद्ध रग्बी स्टेडियमों में से एक है और ऑल ब्लैक्स के 1994 से शुरू हुए 54 मैचों के शानदार अजेय घरेलू रिकॉर्ड से जुड़ा हुआ है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस खास मुलाकात को तीन भारतीय सितारों और न्यूजीलैंड रग्बी के एक महान खिलाड़ी से जुड़ा एक अविस्मरणीय पल बताया और इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कीं। यह मुलाकात दो खेलों से आगे बढ़कर, भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के सौ साल पूरे होने के जश्न के दौरान हुई। इस ऐतिहासिक रिश्ते की शुरुआत 1926 में हुई थी, जब हॉकी के महान जादूगर ध्यानचंद की मौजूदगी में इंडियन आर्मी की हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड का ऐतिहासिक दौरा किया था।



पेरिस में एटीपी मास्टर्स टेनिस में खेलते हुए सर्बिया के नोवाक जोकोविच।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर की भूमिका और उसकी सीमाएं

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर और पूर्ण वित्तीय सलाहकार की भूमिकाओं को लेकर निवेशकों में अक्सर भ्रम रहता है। इसे दूर करने के लिए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने हाल ही में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका मकसद निवेशकों को सही जानकारी देना और उन्हें अपनी वित्तीय योजनाओं के लिए सही व्यक्ति चुनने में मदद करना है, खासकर सोशल मीडिया पर सलाह की बढ़ती भरमार के बीच। एक म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर का प्राथमिक काम निवेशकों को उनकी जरूरतों, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार उपयुक्त म्यूचुअल फंड स्कीम चुनने में मदद करना है। वह केवाईसी अपडेट करने और बैंक खाते बदलने जैसे प्रशासनिक कार्यों में भी सहायता कर सकता है। हालांकि,एएमएफआई ने स्पष्ट किया है कि डिस्ट्रीब्यूटर की सलाह केवल म्यूचुअल फंड तक सीमित है, यह किसी निवेशक की पूरी वित्तीय योजना का हिस्सा नहीं है। व्यापक वित्तीय योजना (जिसमें घर खर्च, बच्चों की शिक्षा, बीमा और रिटायरमेंट जैसे कई पहलू शामिल हैं) के लिए आपको सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार से संपर्क करना जरूरी है। एएमएफआई ने सोशल मीडिया पर म्यूचुअल फंड से जुड़ी जानकारी देने वाले डिस्ट्रीब्यूटरों के लिए भी सख्त नियम बनाए हैं। वे बिना निवेशक की व्यक्तिगत जरूरत और जोखिम को समझे किसी खास स्कीम की सीधी सिफारिश नहीं कर सकते और न ही भविष्य के रिटर्न का अनुमान लगाकर दावा कर सकते हैं। साथ ही, उन्हें अपनी पहचान और एएमएफआई पंजीकरण नंबर (एआरएन) स्पष्ट रूप से बताना अनिवार्य है। निवेशकों को सलाह है कि वे किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर का एआरएन अवश्य जांचें और निवेश का फैसला हमेशा अपनी व्यक्तिगत जरूरतों, लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर ही करें, न कि केवल एजेंट की सलाह या सोशल मीडिया पर दी गई जानकारी पर।

भारत में 2027 से विमान ईंधन में एसएएफ का उपयोग अनिवार्य होगा

नई दिल्ली। भारत सरकार हवाई यात्रा को पर्यावरणीय रूप से अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है। केंद्र सरकार ने ड्राफ्ट एसएएफ पॉलिसी, 2026 के तहत विमानों के ईंधन एटीएफ(एविएशन टर्बाइन फ्यूल) में एसएएफ (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। इस नई नीति के लागू होने पर, जनवरी 2027 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम एक फीसदी का उपयोग करना होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य हवाई यात्रा से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित यह नीति अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए जनवरी 2027 से एक फीसदी एसएएफ के उपयोग को अनिवार्य करेगी और 2040 तक इस लक्ष्य को 20 फीसदी तक बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रदान करती है। एसएएफ पारंपरिक विमान ईंधन का एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है, जिसे फसल, जैविक कचरे और अन्य टिकाऊ स्रोतों से तैयार किया जाता है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य हवाई यात्रा के कार्बन पदचिह्न को कम करना है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि एसएएफ गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरा उतरे। ड्राफ्ट नीति में केवल एसएएफ मिश्रण के लक्ष्य ही नहीं, बल्कि इनके सख्त अनुपालन पर भी जोर दिया गया है। निर्धारित ब्लेंडिंग जरूरत को पूरा न करने वाली एयरलाइंस और तेल मार्केटिंग कंपनियों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, नीति में यह भी प्रस्तावित है कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइंस अपनी वार्षिक एटीएफ जरूरतों का कम से कम 90 फीसदी भारत के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों से पूरा करेंगी, जिसका लक्ष्य इकोनॉमिक टैंकरिंग को रोकना है।

अस्थिर बाजार में फ्लेक्सी कैप फंड्स का जलवा, मल्टी कैप पर भारी पड़ी निवेशकों की पसंद

सितंबर 2026 में फ्लेक्सी कैप फंड्स में आया 6,702 करोड़ का शुद्ध निवेश

नई दिल्ली। मौजूदा शेयर बाजार की अनिश्चितता, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक तनाव के माहौल में भी म्यूचुअल फंड निवेशकों की इक्विटी फंड्स में दिलचस्पी बनी हुई है। इनमें फ्लेक्सी कैप और मल्टी कैप फंड दो ऐसी श्रेणियां हैं जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश का मौका देती हैं। हालांकि, हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि निवेशक फ्लेक्सी कैप फंड्स को अधिक पसंद कर रहे हैं। सितंबर 2026 में फ्लेक्सी कैप फंड्स में 6,702 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) आया, जो मल्टी कैप फंड्स के 3,860 करोड़ रुपये के इनफ्लो से काफी अधिक है। अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान फ्लेक्सी कैप फंड्स में कुल 37,025 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ, जो मल्टी कैप फंड्स के 19,987 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 85 फीसदी ज्यादा है। निवेशकों की इस बढ़ती पसंद के पीछे फ्लेक्सी कैप फंड्स की लचीली निवेश रणनीति है। शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव के बीच निवेशक ऐसे फंड को प्राथमिकता दे रहे हैं, जहां फंड मैनेजर अपनी रणनीति के अनुसार लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश को बढ़ा या घटा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें काफी बढ़ चुकी हैं, ऐसे में फ्लेक्सी कैप में फंड मैनेजर को बाजार में उपलब्ध बेहतर अवसरों का फायदा उठाने की आजादी मिलती है। उनका मानना है कि वर्तमान में लार्ज कैप शेयर मिड और स्मॉल कैप के मुकाबले ज्यादा सही स्तर पर दिख रहे हैं, जिससे फ्लेक्सी कैप फंड पोर्टफोलियो में अपेक्षाकृत अधिक स्थिरता प्रदान करते हैं। इसके विपरीत, मल्टी कैप फंड्स में कम से कम 50 फीसदी निवेश मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों में करना अनिवार्य होता है, जो अधिक रिटर्न की संभावना के साथ-साथ उच्च जोखिम भी लेकर आता है। निवेशकों को किसी भी फंड का चुनाव करते समय अपने निवेश लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की अवधि पर विचार करना चाहिए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मध्यम जोखिम लेने वाले और अपने पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहने वाले निवेशक फ्लेक्सी कैप फंड पर विचार कर सकते हैं, जबकि उच्च जोखिम लेने वाले और कम से कम सात साल या उससे अधिक समय तक निवेश बनाए रखने वाले मल्टी कैप फंड को चुन सकते हैं। फंड के पिछले प्रदर्शन के अलावा, निवेशकों को पांच और दस साल के रिटर्न, बेंचमार्क के मुकाबले प्रदर्शन, निवेश की कंपनियों और सेक्टर, तथा फंड मैनेजर के ट्रैक रिकॉर्ड को भी ध्यान में रखना जरूरी है।



एक्सिस एमएफ फ्रंट रनिंग : सेबी ने 4 इकाइयों पर 40 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक्सिस म्यूचुअल फंड के कारोबार में कथित फ्रंट-रनिंग को बढ़ावा देने के मामले में दो शेयर ब्रोकिंग फर्मों और उनके दो निदेशकों समेत चार इकाइयों पर कुल 40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वुडस्टॉक ब्रोकिंग और उसके डायरेक्टर सुरेश कनमल जाजू, साथ ही मारफतिया स्टॉक ब्रोकिंग और उसके डायरेक्टर निशिल सुरेंद्र मारफतिया पर 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई सेबी की 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक की जांच के बाद की गई। जांच में पाया गया कि इन ब्रोकरों ने दुबई में बैठे प्रिजेश कुरानी नामक एक अनधिकृत व्यक्ति को अपने ओडिन ट्रेडिंग टर्मिनल इंस्टॉल और संचालित करने में मदद की। कुरानी ने एक्सिस म्यूचुअल फंड के बड़े सौदों से पहले अपने सौदे कर फ्रंट रनिंग को अंजाम दिया। सेबी ने वुडस्टॉक ब्रोकिंग के खिलाफ व्हाट्सएप चैट, आईपी एड्रेस और मैक आईडी जैसे तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ एनीडेस्क के माध्यम से रिमोट एक्सेस को आधार बनाया। वहीं, मारफतिया स्टॉक ब्रोकिंग के मामले में उसके मैनेजिंग डायरेक्टर के बयान और आईटी कर्मचारियों के साथ हुई व्हाट्सएप बातचीत को सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया गया। नियामक ने निष्कर्ष निकाला कि इन ब्रोकरों ने आवश्यक तकनीकी सहायता और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराकर धोखाधड़ी वाले व्यापार में सक्रिय रूप से सहायता की, जो धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार प्रथाओं पर रोक नियमों का उल्लंघन है।

दिवाली पर महंगाई की मार, अमूल घी-बटर महंगा

नई दिल्ली। दिवाली नजदीक आते ही उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगा है। अमूल ने अपने घी और बटर की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी कर दी है, जिससे त्योहारों पर पकवान बनाने का बजट प्रभावित होगा। अमूल के नए दामों के अनुसार 1 किलो घी कार्टून अब 630 की जगह 680 रुपये में, यानी 50 रुपये महंगा मिलेगा। 500 ग्राम बटर पैक 310 से बढ़कर 325 रुपये का हो गया है। 500 ग्राम प्योर घी पाउच 345 रुपये में, जबकि 100 ग्राम बटर पैक 63 से 66 रुपये में मिलेगा। कंपनी के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गाय का घी 740 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है।

पीएनबी और केनरा बैंक ने बदली एफडी ब्याज दरें

नई दिल्ली। यदि आप सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। देश के प्रमुख सरकारी बैंकों, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और केनरा बैंक ने हाल ही में अपनी एफडी ब्याज दरों में बदलाव की घोषणा की है, जिससे ग्राहकों को आकर्षक रिटर्न मिलने की उम्मीद है। केनरा बैंक ने 2 नवंबर से अपनी एफडी दरों में 15 बेसिस पॉइंट तक की बढ़ोतरी की है। बैंक की 555 दिन की स्पेशल एफडी पर आम ग्राहकों को अब 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। वहीं, 444 दिन की एफडी पर आम ग्राहकों को 6.65 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। तुलनात्मक रूप से, केनरा बैंक की दरें अधिक लुभावनी हैं। दूसरी ओर, पीएनबी ने 1 नवंबर से नई दरें लागू की हैं। बैंक की 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम ग्राहकों को अधिकतम 6.60 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.10 फीसदी ब्याज मिलेगा। 666 दिन की एफडी पर आम ग्राहकों के लिए 6.50 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.00 फीसदी की दर निर्धारित की गई है।



इटली के मिलान में मोटरसाइकिल कंपनी डुकाटी के वाहनों को देखते हुए लोग। यहां 83वीं अंतरराष्ट्रीय दोपहियास वाहन प्रदर्शनी चल रही है।

आरबीआई ने सेवा निर्यात-आयात के नियमों में ढील दी, फ्रीलांसरों को राहत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सर्विस एक्सपोर्ट और इंपोर्ट से जुड़े विदेशी मुद्रा नियमों में महत्वपूर्ण ढील दी है, जिससे विदेशी क्लाइंट्स से कमाई करने वाले फ्रीलांसरों, कंपनियों और आयातकों को बड़ी राहत मिली है। इन बदलावों का उद्देश्य छोटे ट्रांजेक्शन और सेवा भुगतानों की प्रक्रिया को सरल बनाना है, जिससे कागजी कार्रवाई और लगने वाले समय में कमी आएगी। नए नियमों के तहत भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति को अब विदेश में सेवा देने के बदले भुगतान मिलने पर अलग से एक्सपोर्ट डिक्लेरेशन फार्म (ईडीएफ) जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल अपने बैंक को भुगतान खाते में जमा करने के लिए आवश्यक जानकारी देनी होगी। यह कदम विशेष रूप से डिजिटल सेवाओं और फ्रीलांसिंग के बढ़ते क्षेत्र को बढ़ावा देगा, जहां अक्सर छोटे भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त होते हैं। जो निर्यातक भारत में रहने वाले व्यक्ति नहीं हैं, उन्हें भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा। ऐसे निर्यातकों के लिए विदेश से आने वाली सर्विस पेमेंट 10 लाख रुपये तक होने पर सिर्फ बैंक को जरूरी जानकारी देनी होगी; इससे अधिक राशि पर पहले के डिक्लेरेशन की शर्तें ही लागू होंगी। आरबीआई ने सर्विस इंपोर्ट के मामले में भी रिपोर्टिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब बैंकों को इम्पोर्ट डाटा प्रोसे?सिंग एंड मा?निट?रिंग ?सिस्टम (आईडीपीएमएस) में सर्विस इंपोर्ट की जानकारी तभी दर्ज करनी होगी, जब सेवा खरीदने वाला भारत का निवासी न हो और इनवॉयस 10 लाख रुपये से अधिक हो। इन बदलावों से विदेशी व्यापार से जुड़े लेन-देन की प्रक्रिया में लगने वाले समय और कागजी कार्रवाई में कमी आएगी, जिससे भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सफाईकर्मियों की हड़ताल के चलते शहर में कई जगह लगा कचरे का ढेर

संगठन ने सफाईकर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने सहित रखीं कई मांगें

भोपाल। वेतन बढ़ाने और स्थायी करने समेत चार मांगों को लेकर बुधवार से मध्य प्रदेश के सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। भोपाल में गली-मोहल्लों और बाजारों से कचरा नहीं उठाया गया। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन में लगी 400 से अधिक गाडि़यां भी खड़ी कर दी गईं। सफाई कर्मियों का कहना है कि सरकार के साथ बातचीत के बाद ही हड़ताल खत्म करने पर फैसला लेंगे। दीपावली से पहले मध्य प्रदेश में सफाई व्यवस्था पर संकट खड़ा हो गया है। वेतन बढ़ाने, स्थायी नियुक्ति और सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने समेत चार प्रमुख मांगों को लेकर बुधवार से प्रदेशभर के सफाईकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।



राजधानी भोपाल में हड़ताल का असर सुबह से ही दिखाई देने लगा। गली-मोहल्लों और बाजारों से कचरा नहीं उठाया गया,जबकि डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन में लगे वाहन भी ट्रांसफर स्टेशनों पर खड़े रहे। न्यू मार्केट समेत कई इलाकों में कचरा जमा होने लगा है। सफाईकर्मियों ने साफ किया है कि सरकार के साथ बातचीत में मांगों पर ठोस निर्णय होने के बाद ही काम पर लौटने का फैसला लिया जाएगा। मांगों का समाधान नहीं होने पर हड़ताल अनिश्चितकाल तक जारी रखने और दीपावली के दिन भी सफाई नहीं करने की चेतावनी दी गई है। त्योहार से ठीक पहले सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से नगर निगम और प्रशासन के सामने चुनौती खड़ी हो गई है। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन (7262) के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट ने बताया कि संगठन के पदाधिकारियों की सहमति से प्रदेशव्यापी हड़ताल का निर्णय लिया गया है। बुधवार को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रमुख सचिव मनोज दुबे से मुलाकात प्रस्तावित है। बातचीत में मांगों पर सकारात्मक निर्णय होता है तो आगे की रणनीति तय की जाएगी,अन्यथा आंदोलन जारी रहेगा। यूनियन का दावा है कि प्रदेश के 16 नगरीय निकायों और 374 नगर परिषदों के एक लाख से अधिक सफाईकर्मी इस आंदोलन में शामिल होंगे। हड़ताल के दौरान घरों से कचरा संग्रहण के साथ सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई भी बंद रहेगी। राजधानी में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए 400 से अधिक वाहन संचालित होते हैं। प्रत्येक वाहन रोजाना दो से तीन चक्कर लगाकर कचरा एकत्र करता है। शहर के 17 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशनों से कचरा कैप्सूल टैंकरों के जरिए आदमपुर छावनी पहुंचाया जाता है। भोपाल में प्रतिदिन करीब 850 टन कचरा निकलता है। ऐसे में हड़ताल लंबी चलने पर कचरा संग्रहण और निस्तारण की पूरी व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। हड़ताल से एक दिन पहले भी सफाईकर्मियों ने भोपाल में प्रदर्शन किया था। अपनी मांगों को लेकर प्रदेशभर से आए कर्मचारियों ने जहांगीराबाद चौराहे पर जाम लगा दिया था।

दशहरा मिलन कार्यक्रम वर्ष 82/83 के बैच के अधिकारियों का ऑफीसर मैस भोपाल में संपन्न हुआ



भोपाल (राष्ट्रीय गरिमा)। वर्ष 82/83 बैच के भोपाल में निवासरत अधिकारियों का दशहरा मिलन कार्यक्रम भोपाल ऑफीसर मैस में दिनांक 2 नवंबर 26 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सभी साथियों का तिलक लगाकर एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिसमें रंगारंग कार्यक्रम के साथ सदस्यों द्वारा गाने भजन प्रस्तुत किए गए एवं स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में बाय से (1) जय राम रघुवंशी (2) सुरेश नारायण चौधरी (3) हनुमंत सिंह राजपूत (4) राकेश जैन (5) उमेश शुक्ला (6) हेमपाल सिंह (7) उमाशंकर तिवारी (8)वीरेंद्र सिंह गुर्जर (9)अशोक तिवारी(10) विजय सिंह अठियां (11)पंचम लाल राज(12) गुलाब सिंह राजपूत(13) देवेंद्र सिंह सैनी(14) महेंद्र जैन(15) रतिराम बंसल (16)मंगल सिंह ठाकरे (17)विपिन तिवारी(18) सुरेश कुमार पंथी(19) रवि शंकर शुक्ला(20) नवीन अवस्थी(21) गोपाल सिंह ठाकुर(22) अजीत पटेल (23)जितेंद्र सिंह कुशवाहा (24)भानु पाठक(25) भारतेंदु शर्मा उपस्थित रहे।

जनसुविधा एवं विकास संबंधी प्रचलित व लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करें : अपर आयुक्त



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त (सिविल) श्री अभिषेक सिंह ने बुधवार को निगम मुख्यालय अटल भवन के सभाकक्ष में यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने शहर में जनसुविधा एवं विकास से जुड़े प्रचलित सड़क संधारण, मरम्मत एवं पुनर्निर्माण व लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं व निधियों के तहत प्रस्तावित कार्यों को सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर जल्द प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। बैठक में कायाकल्प, एनकैप (NCAP), मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना सहित अन्य योजनाओं तथा विधायक निधि एवं अन्य निधियों से किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। श्री सिंह ने लंबित, स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों की विस्तृत जानकारी ली तथा जो कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुए हैं, उनके कारणों की भी जानकारी प्राप्त की। अपर आयुक्त ने सड़कों के संधारण, मरम्मत एवं पुनर्निर्माण सहित सभी प्रचलित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में मानक गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृत योजना के अंतर्गत किसी कारणवश रुके हुए कार्यों की बाधाएं दूर कर उन्हें पुनः प्रारंभ कराने को भी कहा साथ ही सभी विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी पीएमआईएस पोर्टल पर समय पर अपडेट करने को कहा। समीक्षा बैठक में अधीक्षण यंत्री श्री आर.आर. जरोलिया सहित यांत्रिकी विभाग के समस्त कार्यपालन यंत्री, समस्त सहायक यंत्री एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निगम ने कराया वार्ड क्र. 52 एवं 58 के विभिन्न क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण का कार्य



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर पालिक निगम, भोपाल द्वारा नागरिक सुविधाओं के विस्तार, आधारभूत अद्योसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं वर्षा व अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, संधारण एवं पुनर्निर्माण का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में निगम के यांत्रिक विभाग के अमले ने नागरिकों को आवागमन की सुरक्षित एवं सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु वार्ड क्र. 52 एवं 58 के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों का पुनर्निर्माण कराया गया है। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम के यांत्रिक विभाग ने जोन क्र. 13 के अंतर्गत वार्ड क्र. 52 के आकृति इकोसिटी क्षेत्र में एन-कैप योजना के अंतर्गत सीमेंट कांक्रीटीकृत सड़क का निर्माण कराया गया है। उक्त सड़क के निर्माण से आकृति रिट्रीट, वर्ल्ड वे स्कूल, रीगल पार्क, वर्ज टॉवर, आकृति गोल्ड विला, मेरीडियन अपार्टमेंट आदि क्षेत्रों के रहवासी एवं स्कूल के विद्यार्थियों को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। निगम द्वारा जोन क्र. 12 के अंतर्गत वार्ड क्र. 58 के गौतम नगर क्षेत्र में वर्षा एवं सीवेज लाईन बिछाने के कारण विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के संधारण एवं पुनर्निर्माण का कार्य कराया गया है।

निगम अमले ने सड़कों आदि पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को कांजी हाउस व आसरा भेजा



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के गौवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 06 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/घायल 03 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि निगम की हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हांककर हटाया। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार के निर्देष पर निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के अटल पथ, माता मंदिर, लिंक रोड क्र. 01,02 व 03, ताज होटल, मालवीय नगर, बैरागड़, लालघाटी, एयरपोर्ट स्टेट हैंगर, व्हीआईपी रोड, खानूगांव, सी.एम.हाउस आदि क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़ने के सघन अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए 06 पषुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/घायल 03 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि निगम की हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हांककर हटाया।

विभिन्नता की समृद्ध विरासत भारत की वैश्विक पहचान है : राज्यपाल पटेल

लोकभवन में आंध्र प्रदेश,केरल,कर्नाटक, तमिलनाडु का स्थापना दिवस मना

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता हमारी सबसे बड़ी पहचान है। विभिन्न राज्यों की समृद्ध विरासत भारत को वैश्विक विशिष्टता प्रदान करती है। अनेक भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों के बावजूद हमारी राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण है। उन्होने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना की सराहना करते हुए इस भावना को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए सभी की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया है। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक,तमिलनाडु, लक्षद्वीप, पुदुचेरी एवं अंडमान-निकोबार के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह को लोकभवन में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को उनके राज्यों के स्थापना दिवस की बधाई दी। लोकभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ.नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। भोपाल निवासी विभिन्न राज्यों के सामुदायिक संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे। समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर का तथा अंडमान-निकोबार के उपराज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा का विडियो शुभकामना संदेश का प्रसारण किया गया। अंडमान-निकोबार एवं मध्यप्रदेश की गौरवगाथा पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई



गई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारी भाषाएं,पहनावे और खानपान अनेक प्रकार के हैं। लोककलाओं की विविधता हमारी सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता ही इन सभी को जोड़ती हैं। इस विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सभी अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से मध्यप्रदेश की प्रगति में योगदान दें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करें। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को जीवन में आत्मसात करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि स्थापना दिवस विभिन्नता में एकता पहचानने का महत्वपूर्ण अवसर है। यह आयोजन भावी पीढ़ी को देश की विविधता से परिचित कराता है। यह केवल तिथियों का नहीं, सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। यहाँ अपनी विरासत संजोकर विकास के नए आयाम स्थापित करने की प्रेरणा मिलती है। यही विकसित भारत 2047 के निर्माण का पथ है। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक पहचान में सभी राज्यों का योगदान है। हमारा राज्य केरल शिक्षा,स्वास्थ्य सेवाओं,आयुर्वेद और प्राकृतिक सुंदरता दीप स्तम्भ है। यहां के नागरिकों का ज्ञान और सेवाभाव मानवीय मूल्यों का सम्मान बढ़ाता है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि कर्नाटक तकनीक, विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान का प्रमुख केंद्र है। औद्योगिक प्रगति, कौशल और नवाचार इसकी वैश्विक पहचान मजबूत करते हैं। आंध्र प्रदेश कृषि, समुद्री व्यापार और उद्यमशीलता की समृद्ध परंपरा वाला राज्य है। यहां की कला और व्यापार कौशल राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं।

आतिशबाजी करते समय सुरक्षा सावधानियों का रखें विशेष ध्यान

बच्चों को वयस्कों की निगरानी में ही पटाखे जलाने की सलाह

भोपाल। आगामी त्योहारों के दौरान आतिशबाजी से होने वाली दुर्घटनाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने पटाखे जलाने से पहले, आतिशबाजी के दौरान और उसके बाद अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि पटाखे हमेशा खुले एवं सुरक्षित स्थानों पर ही जलाएं। इमारतों, वाहनों, सूखी वनस्पतियों एवं ज्वलनशील पदार्थों से पर्याप्त दूरी रखें। आतिशबाजी के दौरान सूती कपड़े पहनें तथा बंद जूते का उपयोग करें। बच्चों को बिना वयस्क निगरानी के पटाखे न दें और उन्हें पटाखे जेब में नहीं रखने की समझाइश दें। पटाखे जलाते समय पानी या रेत से भरी बाल्टी पास में रखें तथा एक समय में केवल एक ही पटाखा जलाएं। पटाखे जलाते समय हाथ और चेहरे को उनसे सुरक्षित दूरी पर रखें। अनार, चकरी एवं बम को हाथ में रखकर न जलाएं, बल्कि समतल जमीन पर रखकर ही प्रज्वलित करें। रॉकेट को हाथ से अथवा क्षैतिज दिशा में न छोड़ें। अतिरिक्त आवाज या प्रभाव के लिए पटाखों को टिन के डिब्बे, बर्तन अथवा कांच की बोतल से न ढकें। यदि कोई पटाखा जलने के बाद नहीं फूटता है तो उसके पास न जाएं और कम से कम 20 मिनट प्रतीक्षा करने के बाद उस पर पानी डालकर निष्क्रिय करें। पटाखे किसी व्यक्ति या पशु की ओर न फेंकें। पटाखों से निकलने वाला धुआं एवं हानिकारक रासायनिक तत्व श्वसन और हृदय संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। इससे अस्थमा एवं ब्रोंकाइटिस के मरीजों को विशेष परेशानी हो सकती है। ऐसे मरीज आतिशबाजी के दौरान घर के भीतर रहें। तेज आवाज वाले पटाखों से बचें, क्योंकि इनसे सुनने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आतिशबाजी के बाद इस्तेमाल किए गए एवं बिना फटे पटाखों को खुले में न छोड़ें। जले हुए पटाखों का सुरक्षित निपटान करें तथा साबुन और पानी से हाथ अच्छी तरह धोएं। पटाखों से जलने की स्थिति में प्रभावित हिस्से को तुरंत सामान्य तापमान के साफ बहते पानी से ठंडा करें।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने नवीन 'ई-ऊर्जा भवन' का किया भूमिपूजन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल, 3 नवम्बर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को पारदर्शी, त्वरित और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ऊर्जा विभाग द्वारा प्रभावी कार्यक्रम बनाकर बेहतर अनुप्रयोग अमल में लाये जाने के अनुक्रम में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का निर्मित होने वाला नवीन ई-ऊर्जा भवन प्रभावी भूमिका निभाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मंगलवार को बिजली नगर कॉलोनी गोविंदपुरा स्थित आस्था परिसर में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के नवीन ई-ऊर्जा भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कंपनी के



प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग, निदेशक (वाणिज्य) श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) डॉ. राकेश शर्मा, मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री अखिलेश कुमार पाण्डे सहित सभी मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक एवं अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने कंपनी के नवीन ई-ऊर्जा भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सभी श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के साथ ही त्वरित सेवाएं प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित है। इसी दिशा में कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए नवीन ई-ऊर्जा भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस अत्याधुनिक भवन में सूचना प्रौद्योगिकी सेल के लिए आवश्यक अधोसंरचना एवं तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होने से कंपनी की डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन कार्यप्रणाली एवं तकनीकी व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इससे विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण, ऑनलाइन सेवाओं के संचालन तथा उपभोक्ता सेवाओं को अधिक सुगम, प्रभावी एवं त्वरित बनाने में सहायता मिलेगी।

कोविड में माता-पिता को खोने वाले बच्चों का संबल बनी प्रदेश सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्री भूरिया ने बच्चों से किया आत्मीय संवाद

भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को मंत्रालय में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन तथा मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना से लाभान्वित 27 बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनसे संवाद किया। मंत्री भूरिया ने बच्चों की शिक्षा, वर्तमान परिस्थितियों, व्यक्तिगत समस्याओं और भविष्य की योजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बच्चों को दीपावली के उपहार भेंट कर उनके जीवन में खुशियों और नई उम्मीदों का संचार किया। मंत्री भूरिया ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता अथवा अभिभावकों को खोने वाले बच्चों की देखभाल, शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इन बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए हरसंभव सहयोग और अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखें, अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करें और जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करें। संवाद के दौरान मंत्री भूरिया ने प्रत्येक बच्चे की रुचियों, शैक्षणिक प्रगति और भविष्य में अपनाए जाने वाले कॅरियर के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों की परेशानियों को संवेदनशीलता से सुना और कहा कि राज्य सरकार बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बच्चों को आश्वस्त किया कि वे स्वयं को अकेला न समझें। सरकार उनके संरक्षण और बेहतर भविष्य के लिए उनके साथ खड़ी है। मंत्री भूरिया ने कहा कि दोनों योजनाएं कोविड महामारी से प्रभावित बच्चों के जीवन में सुरक्षा, विश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार बनी हैं। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र बच्चा आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा अथवा अपने सपनों से वंचित न रहे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 मई 2021 को प्रारंभ की गई पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना का उद्देश्य कोविड-19 महामारी के कारण माता-पिता अथवा पात्र अभिभावकों को खोने वाले बच्चों को व्यापक संरक्षण और सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों के लिए 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की निधि का प्रावधान है। इस निधि से 18 से 23 वर्ष की आयु तक मासिक आर्थिक सहायता तथा 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त बच्चों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, कक्षा पहली से बारहवीं तक शिक्षा के लिए 20 हजार रुपये वार्षिक छात्रवृत्ति तथा उच्च शिक्षा के लिए शैक्षणिक ऋण एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

ट्विशा मौत मामले में रिटायर्ड जज गिरिबाला की जमानत याचिका खारिज

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट बोला-फॉरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार,रिहा नहीं कर सकते

भोपाल। राजधानी भोपाल के ट्विशा शर्मा मौत मामले में बुधवार को जबलपुर हाईकोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा-मामले में फॉरेंसिक और डिजिटल रिपोर्ट का इंतजार है। जांच भी अभी जारी है। ऐसे में उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता। गिरिबाला पर ट्विशा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी बेटे समर्थ का साथ देने का आरोप है। सीबीआई ने भी जमानत का विरोध किया था। गिरिबाला 2 जून से भोपाल सेंट्रल जेल में बंद हैं। 4 नवंबर तक उन्हें जेल में 155 दिन यानी करीब 5 महीने 2 दिन हो चुके हैं। ट्विशा शर्मा की 12 मई 2026 को भोपाल स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। वह घर में फंदे



पर लटकी मिली थीं। पति समर्थ और सास गिरिबाला ने पुलिस को बताया था कि ट्विशा ने आत्महत्या की है। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई थी। इस दौरान हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि घटना से ठीक पहले परिजन के साथ हुई व्हाट्सएप चैट,सीसीटीवी फुटेज और मौत के बाद की परिस्थितियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आरोपियों के घटना के बाद के व्यवहार को भी ध्यान में रखना होगा। कोर्ट ने कहा-केवल यह तर्क देना पर्याप्त नहीं है कि आवेदिका गिरिबाला की कोई आपराधिक मंशा नहीं थी। इस पर केस डायरी में दर्ज अन्य सबूतों और परिस्थितियों के साथ विचार करना जरूरी है। कोर्ट के मुताबिक, आरोप गंभीर हैं और जांच में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। ट्विशा की मौत से ठीक पहले की परिस्थितियों, जारी जांच और पेंडिंग फॉरेंसिक रिपोर्ट, डिजिटल रिपोर्ट को देखते हुए फिलहाल गिरिबाला को जमानत नहीं दी जा सकती। करीब 64 वर्षीय रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह ने कोर्ट में कहा-व्हाट्सएप चैट में लगाए गए आरोप उनके खिलाफ नहीं, बल्कि बेटे समर्थ के खिलाफ हैं। उन्होंने ट्विशा के खाते में 7.5 लाख रुपए ट्रांसफर किए थे,जो दहेज मांगने के आरोप के विपरीत है। बचाव पक्ष ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2) के तहत मौत से ठीक पहले क्रूरता का कोई सबूत नहीं है। गिरिबाला अपना वॉयस सैंपल भी दे चुकी हैं। ऐसे में उन्हें हिरासत में रखने की जरूरत नहीं है।

बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर पटाखा दुकान न लगाएं

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दीप पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियां रखकर सुरक्षित दीपावली मनाएं। कंपनी ने सभी पटाखा व्यवसायियों से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और छोटी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। कंपनी के नागरिकों ने अनुरोध किया कि वे पटाखे व आतिशबाजी का प्रदर्शन बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें। कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर प्रकाशीय साज-सज्जा हेतु उपभोक्ता अपने परिसर में विद्यमान बिजली कनेक्शन से स्वीकृत भार के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। बिना स्वीकृति के अतिरिक्त भार की वृद्धि एवं सीधे तार डालकर विद्युत अनधिकृत उपयोग नहीं करें। बिजली चोरी अथवा बिना स्वीकृति के संयोजित भार में वृद्धि अवैधानिक है और इसके लिए बिजली अधिनियम 2003 में जुर्माने का प्रावधान है। कंपनी ने मिठाई, मूर्तियां, साज-सज्जा, बर्तन व्यापारी, पटाखों की दुकाने एवं दीपावली पर्व से जु?ी अन्य सामग्री के विक्रय हेतु लगाए जाने वाली अस्थाई दुकानों के प्रकाश व्यवस्था हेतु व्यापारी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर अस्थाई दुकानों की स्थापना, बिजली ट्रांसफार्मरों एवं बिजली की लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाकर ही स्थापित करें ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से बचा जा सके । कंपनी ने मैदानी अमले और सतर्कता विंग को सघन जांच अभियान चलाकर बिजली चोरी मामले पकड़ने तथा भार वृद्धि अथवा स्वीकृत प्रयोजन के स्थान पर अन्य किसी प्रयोजन के लिए विद्युत उपभोग पकड़े जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही करने के लिए कहा है।